सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 170, नई दिल्ली । शुक्रवार, 30 अगस्त 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

जब तक जीना, तब तक सीखना, अनुभव ही जीवन में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक है।

03 दिल्ली के हेल्थ प्रोफेशनल ने निकाला न्याय मार्च

06 खेल भावना में 'राष्ट्र प्रथम' सर्वोपरि रहे

08 कुलपति प्रो करुणेश सक्सेना ने दिए सफलता के मंत्र

दिल्ली की परिवहन व्यवस्था और महिला सुरक्षा: एक नजर

जान्हवी भल्ला

आज के समय में दिल्ली की परिवहन व्यवस्था में महिलाओं की सुरक्षा एक गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। दिल्ली जैसे बड़े शहर में, जहां लाखों लोग रोज़ाना बस, मेट्रो और अन्य सार्वजनिक वाहनों का इस्तेमाल करते हैं, वहां महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। यह चिंता सिर्फ भारत तक ही सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी यह एक बड़ी समस्या है।

दिल्ली में, महिलाओं की सुरक्षा को लेकर कई प्रयास किए गए हैं, लेकिन इन प्रयासों का असर कितना हुआ है, यह विचारणीय है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई योजनाएं और नीतियां बनाई गई हैं, जैसे कि महिलाओं के लिए अलग से आरक्षित सीटें, महिला सवारियों के लिए विशेष सुरक्षा तंत्र, और पुलिस की तैनाती। लेकिन इन सभी प्रयासों के बावजूद, महिलाओं के साथ होने वाली घटनाओं में कोई खास कमी नहीं आई है।

एक अध्ययन के अनुसार, दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने वाली महिलाओं में से लगभग 50% ने एक से अधिक प्रकार की हिंसा का अनुभव किया है। यह आंकड़ा बताता है कि महिलाओं को न केवल शारीरिक हिंसा का सामना करना पड़ता है, बल्कि यौन और मनोवैज्ञानिक उत्पीड़न का भी शिकार होना पड़ता है।

इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। दिल्ली की परिवहन व्यवस्था में भीड़-भाड़, अपर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, और संवेदनशीलता की कमी कुछ प्रमुख कारक हैं। इसके अलावा, कई बार महिलाओं को रात के समय सुरक्षित परिवहन सुविधाओं की कमी के कारण भी जोखिम उठाना पड़ता है।

महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार को और अधिक सख्त कदम उठाने की जरूरत है। शहरों को लिंग-संवेदनशील सार्वजनिक परिवहन सेवाओं और नीतियों को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, ताकि महिलाओं की विशिष्ट आवश्यकताओं का ध्यान रखा जा सके। इसके लिए, महिलाओं के लिए सुरक्षित और आरामदायक परिवहन का प्रावधान किया जाना चाहिए, जिसमें सीसीटीवी कैमरों की निगरानी, महिला सुरक्षा कर्मियों की तैनाती, और रात्रिकालीन सुरक्षा तंत्र शामिल हो सकते हैं।

इस दिशा में जागरुकता फैलाने और समाज के प्रत्येक व्यक्ति को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। जब तक हम सब मिलकर इस मुद्दे को गंभीरता से

नहीं लेंगे, तब तक महिलाओं की सुरक्षा एक चुनौती बनी रहेगी।

दिल्ली को एक सुरक्षित शहर बनाने के लिए हमें अपने प्रयासों को और मजबूत करना होगा, ताकि हर महिला बिना किसी डर के स्वतंत्र रूप से अपने गंतव्य तक पहुंच सके।

सप्ताह में छह दिन चलेगी वंदे भारत, पीएम मोदी ए क सितंबर को दिखाएंगे हरी झंडी

मेरठ-लखनऊ के बीच चलने वाली वंदेभारत एक्सप्रेस का नया शेड्यूल जारी किया गया है। ट्रेन सप्ताह में 6 दिन चलेगी मंगलवार को छोड़कर। मेरठ से सुबह 635 बजे चलकर लखनऊ दोपहर 135 बजे पहुंचेगी। उद्घाटन दिवस 31 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्चुअल हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया जाएगा। ट्रेन में सफर करने वालों को फ्री यात्रा पास भी दिए जाएंगे।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। मेरठ-लखनऊ के बीच चलने वाली वंदेभारत का नया शेडयूल जारी किया गया है। ट्रेन का सप्ताह में छह दिन संचालन होगा। मंगलवार को नहीं चलेगी। नए शेडयूल में आलम नगर (लखनऊ) का स्टापेज नहीं है।

पहले शेडयूल में ट्रेन को आलम नगर में भी रुकना था। मेरठ से रवाना होने का समय सुबह 6:35 बजे ही रखा गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को मेरठ से दोपहर 12:30 बजे वर्चुअल हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

पहले यह समय दोपहर एक बजे था। एक सितंबर से लखनऊ से ट्रेन का नियमित संचालन होगा। मुरादाबाद स्टेशन पर ट्रेन का भव्य स्वागत किया जाएगा। रेलवे ने 27 अगस्त को मेरठ-लखनऊ के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस (22490/22489) के संचालन की घोषणा की थी। इसका समय तो जारी किया था, लेकिन नियमित संचालन को लेकर असमंजस था। एक सितंबर को लखनऊ से दोपहर 2:45 पर रवाना होगी।

बरेली में शाम 6:02, मुरादाबाद 7:32 और मेरठ रात 10 बजे पहुंचेगी। दो सितंबर को मेरठ से ट्रेन का संचालन होगा। वहां से सुबह 6:35 पर रवाना होगी, मुरादाबाद में सुबह 8:35, बरेली 9:56 और लखनऊ दोपहर 1:35 पहुंचेगी। 31 अगस्त को उद्घाटन के दिन फूलों से सजी ट्रेन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ट्रेन को 12:30 रवाना करेंगे। 31 अगस्त को ट्रेन दोपहर 2:30 बजे मुरादाबाद पहुंचेगी।

इसके बाद बरेली 3:51 और लखनऊ शाम 7:40 बजे पहुंचेगी। इस अवसर पर ट्रेन का मुरादाबाद रेलवे स्टेशन पर भव्य स्वागत होगा। स्टेशन पर भी सजावट की जाएगी। ट्रेन में सफर करने वालों को फ्री यात्रा पास भी दिए जाएंगे।

ट्रेन मेरठ से लखनऊ के बीच 64 किमी प्रति घंटा की औसत रफ्तार चलकर सफर सात घंटा 10 मिनट और लखनऊ से मेरठ के बीच 63.29 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से सात घंटा 15 मिनट में सफर पूरा करेगी। सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि ट्रेन की संचालन और शेड्यूल की सूची प्राप्त हो गई है।

दिल्ली मेट्रो गढ़ रही नए-नए रिकॉर्ड, पर सामने आई चौंकाने वाली बात; रेड, ब्लू और पिंक लाइन पर क्या हुई परेशानी?

परिवहन विशेष न्यूज

नईदिल्ली। मेट्रो में यात्रियों की संख्या बढ़ी है। इस वजह से दिल्ली मेट्रो अधिक यात्रियों के सफर के नए-नए रिकॉर्ड गढ़ रही है। इस वजह से पिछले एक वर्ष में मेट्रो में अधिक यात्रियों के सफर के रिकॉर्ड चार बार ध्वस्त हो चुके हैं। लेकिन चौंकाने वाली बात है कि मेट्रो में यात्रियों की भीड़ बढ़ने के बावजूद तीन कॉरिडोर पर मेट्रो ट्रेनों की संख्या कम हो गई है।

इनमें रेड लाइन (रिठाला-समयपुर बादली), ब्लू लाइन (द्वारका सेक्टर 21-इलेक्ट्रानिक सिटी नोएडा/वैशाली) व पिंक लाइन (मजलिस पार्क-मौजपुर) शामिल है।

यह बात जनवरी 2018 से अप्रैल 2024 के बीच दिल्ली मेट्रो के सभी कॉरिडोर पर हर माह चलने वाली औसत ट्रेनों की संख्या के एक डाटा से सामने आया है। इसके मुताबिक, रेड व ब्लू लाइन पर चार व पिंक लाइन पर सात ट्रेनें कम हुई हैं।

वहीं, इस मामले पर दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी DMRC) की प्रतिक्रिया नहीं मिली है। ट्रेनें कम होने से मेट्रो की फ्रिक्वेंसी कम होना लाजमी है। ब्लू लाइन दिल्ली मेट्रो का दूसरा सबसे व्यस्त कॉरिडोर है।

वहीं, शुरुआत में इस कॉरिडोर पर 59-61 मेट्रो ट्रेनों का परिचालन होता था। मार्च 2019 में इस कॉरिडोर का नोएडा सिटी सेंटर से इलेक्ट्रानिक सिटी तक विस्तार हुआ। इसके बाद अप्रैल 2019 से ब्लू लाइन पर मेट्रो की संख्या बढ़कर 64 कर दी गई। कोरोना काल को छोड़कर दिसंबर 2021 तक इस कॉरिडोर पर हर माह औसतन 63-64 ट्रेनें चलती थीं। लेकिन दिसंबर 2022 से इस कॉरिडोर हर महीने औसतन 60 ट्रेनों का परिचालन हुआ। इस दौरान सिर्फ तीन माह ऐसे रहे जब 61 ट्रेनें चलाई गईं तो कई माह में 58 व 59 ट्रेनें भी चलाई गईं। मार्च 2019 में रेड लाइन का दिलशाद गार्डन से न्यू बस अड्डा गाजियाबाद तक विस्तार हुआ। तब इस कॉरिडोर पर 33-34 ट्रेनों का परिचालन हो रहा था। जून 2023 से इस वर्ष अप्रैल के बीच हर माह प्रतिदिन औसतन 30-31 ट्रेनों का परिचालन हुआ। गत दिसंबर से लगातार 30 ट्रेनों का परिचालन किया गया।

वहीं, फेज तीन में तैयार पिंक लाइन पर मार्च 2018 से अगस्त 2021 के बीच पांच चरणों में मेट्रो का परिचालन शुरू हुआ। शुरुआत में इस कॉरिडोर पर 14 मेट्रो चल रही थीं। यात्रियों की संख्या बढ़ने के साथ इस कॉरिडोर पर 41 मेट्रो ट्रेनों का परिचालन होने लगा था लेकिन लगातार 13 माह 32-34 ट्रेनों का परिचालन हुआ। यलो लाइन, ग्रीन लाइन, मजेंटा लाइन, ग्रे लाइन, एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर ट्रेनें कम नहीं हुई हैं।

वायलेट लाइन पर 38 ट्रेनों का परिचालन होता था। इस कारिडोर पर एक से दो ट्रेनें इस पर भी कम हुई हैं। प्रतिदिन 17 से 18 घंटे मेट्रो का परिचालन होता है। ऐसे में बताया जा रहा है कि एक ट्रेन कम होने से रेड व पिंक लाइन पर मेट्रो के 14 से 15 फेरे व ब्लू लाइन पर 10-11 फेरे कम हो सकते हैं। पहले के मुकाबले ब्लू लाइन व रेड लाइन पर मेट्रो की फ्रिक्वेंसी भी कम हुई है। लेकिन इन दोनों कॉरिडोर पर कोच बढ़ाने का भी दावा किया जा रहा है। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) का दावा है कि अगस्त 2018 के कार्यदिवस की तुलना में इस वर्ष अगस्त के कार्यदिवस में 20 प्रतिशत ट्रेनों का परिचालन अधिक हुआ है। कोच की संख्या भी 26 प्रतिशत बढ़ी है।

वहीं, डीएमआरसी ने माना है कि रेड लाइन पर ट्रेन की संख्या कम रही है, लेकिन कोच अधिक इस्तेमाल किए गए। किसी कॉरिडोर पर ट्रेनों की संख्या परिचालन व रखरखाव की जरूरतों के अलावा कई अन्य कारकों पर भी निर्भर करती है। जिसमें त्योहारी सीजन, व्यापार मेला, कार्यदिवस, सप्ताहांत व यात्रियों के दबाव पर निर्भर करता है। जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त ट्रेनें भी चलाई गई हैं। डीएमआरसी के नेटवर्क में 336 ट्रेनें (2326 कोच हैं), जो वर्तमान ट्रैफिक दबाव को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।

मौजूदा कार्यदिवस में ट्रेनों का परिचालन

रेड लाइनः आठ कोच की 32 ट्रेनें (कुल 256 कोच)

ब्लू लाइनः आठ कोच की 66 ट्रेनें (कुल 528 कोच)

पिंक लाइनः छह कोच की 44 ट्रेनें (कुल 264 कोच)

वायलेट लाइनः छह कोच की 40 ट्रेनें (240 कोच)

इन चार कॉरिडोर पर कुल ट्रेनेंः 182 ट्रेनें/1288 कोच

दिल्ली में ऑटो-रिक्शा वालों की बल्ले-बल्ले, 1.5 लाख वाहनों को ट्रैकिंग शुल्क देने से मिली छूट

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली सरकार ने सार्वजनिक वाहनों के लिए एक बड़ी घोषणा की है। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने पत्रकार वार्ता में बताया कि 1.5 लाख सार्वजनिक सेवा वाहनों को वाहन ट्रैकिंग शुल्क से छूट दी गई है। उन्होंने कहा कि आप सरकार ने 2019 में भी ऑटो-रिक्शा के लिए वाहन ट्रैकिंग शुल्क माफ कर दिया था। पढ़िए गहलोत ने और क्या-क्या कहा है?

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने लगभग 1.5 लाख सार्वजनिक सेवा वाहनों को वाहन ट्रैकिंग शुल्क से छूट दे दी है। इस आशय की घोषणा परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने गुरुवार को सचिवालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी।

परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि वर्ष 2019 में सरकार ने ऑटो-रिक्शा के लिए वाहन ट्रैकिंग शुल्क माफ कर दिया था।

दिल्ली में 2.5 लाख सार्वजनिक सेवा वाहन

गहलोत ने कहा, ₹दिल्ली में 2.5 लाख सार्वजनिक सेवा वाहन हैं, जिनमें 85,000 ऑटो-रिक्शा भी शामिल हैं। ऑटो-रिक्शा को पहले से ही 1,200 रुपये वाहन ट्रैकिंग शुल्क का भुगतान करने से छूट दी गई है। अब, लगभग 1.5 लाख वाहनों को भी इस वार्षिक शुल्क का भुगतान करने से छूट दी जाएगी।₹

मालूम हो कि वार्षिक वाहन ट्रैकिंग शुल्क 1,200 रुपये है, जो 18 प्रतिशत कर लगाने के बाद लगभग 1,400 रुपये है। दिल्ली इंटीग्रेटेड मल्टी-मॉडल ट्रांजिट सिस्टम (डीआईएमटीएस) वर्ष 2019 से वाहन ट्रैकिंग का प्रभारी रहा है।

गहलोत ने कहा, ₹हमने डीआईएमटीएस के साथ अनुबंध समाप्त कर दिया है और वाहनों को ट्रैक करने के लिए एनआईसी (राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।"

भारी बारिश की वजह से ट्रेन सेवाएं रहीं बाधित, मुंबई राजधानी और पश्चिम एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनें निरस्त

भारी बारिश के कारण देश के कई हिस्सों में ट्रेन सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। वडोदरा रेल मंडल में ट्रैक पर पानी भरने से मुंबई से उत्तर भारत आने वाली कई ट्रेनें निरस्त कर दी गई हैं। पूर्व दिशा की कई ट्रेनें विलंब से दिल्ली पहुंच रही हैं। इससे दिल्ली और आसपास के शहरों के यात्रियों को परेशानी हो रही है।

देश के कई हिस्से में हो रही मूसलधार वर्षा से ट्रेनों की आवाजाही बुरी तरह से बाधित हो रही है। वर्षा के कारण वडोदरा रेल मंडल में ट्रैक पर पानी भर गया है जिससे मुंबई से उत्तर भारत आने वाली कई ट्रेनें निरस्त कर दी गई हैं। पूर्व दिशा की कई ट्रेनें विलंब से दिल्ली पहुंच रही है। इससे दिल्ली और इसके आसपास के शहरों के यात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

29 अगस्त को नई दिल्ली-मुंबई सेंट्रल राजधानी एक्सप्रेस (12952), दिल्ली सराय रोहिल्ला-बांद्रा टर्मिनल एक्सप्रेस (22950) और हरिद्वार-बांद्रा टर्मिनल एक्सप्रेस (22918) निरस्त रही। 30 अगस्त को अमृतसर-मुंबई सेंट्रल पश्चिम एक्सप्रेस एक्सप्रेस (12926) नहीं चलेगी।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मैन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

कंक्रीट की सड़कों का दुष्परिणाम: जल निकासी की समस्या और पर्यावरण की अनदेखी

डॉ. अंकुर शरण

नई दिल्ली। आजकल शहरी विकास की दौड़ में कंक्रीट की सड़कों का निर्माण धड़ल्ले से हो रहा है। परंतु, इस निर्माण की प्रक्रिया में कई महत्वपूर्ण मुद्दों की अनदेखी की जा रही है, जिनके कारण शहरों में गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम जल निकासी में आने वाली कठिनाइयों के रूप में देखा जा सकता है।

उदाहरण के तौर पर, फरीदाबाद का उल्लेख किया जा सकता है, जहां सड़कों के निर्माण के दौरान लोगों की समझदारी ने नालियों को ही दफन कर दिया। पक्की सड़कों के निर्माण के चक्कर में नालियों को ढक दिया गया, जिससे पानी के बहाव का रास्ता ही बंद हो गया।

इन क्षेत्रों में सड़कों को तो मजबूती से बना दिया गया, परंतु जो थोड़ी बहुत खुली भूमि बची थी, उसे भी कंक्रीट डालकर मजबूती प्रदान कर दी गई। इस प्रक्रिया में न तो पेड़-पौधों के लिए कोई जगह छोड़ी गई और न ही नालियों के लिए। इसका नतीजा यह हुआ कि थोड़ी सी भी बारिश होने पर पूरे इलाके में जलभराव की स्थिति बन जाती है। महज एक घंटे की बारिश में ही इलाका जलमग्न हो जाता है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

सड़कों के इस बेहतरीन निर्माण ने बेशक आवागमन को सुगम बनाया है, परंतु इसके दुष्परिणाम अत्यंत चिंताजनक हैं। जल निकासी की समस्या के साथ-साथ पर्यावरण पर भी इसका बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

अतः यह आवश्यक है कि शहरी विकास के नाम पर पर्यावरण और जल निकासी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों की अनदेखी न की जाए। सड़कों का निर्माण करते समय इन पहलुओं पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए ताकि विकास और पर्यावरण संतुलन के बीच सामंजस्य बना रहे। विकास का असली अर्थ तभी है जब वह समग्र और संतुलित हो, न कि केवल एक क्षेत्र में अत्यधिक ध्यान देकर अन्य पहलुओं की उपेक्षा की जाए।

हमें भी अपने जीवन में माँ पार्वती के आदर्शों को धारण करना चाहिए

माँ पार्वती ने जो सूखे पत्ते खाकर उपवास रखे हुए थे, अब उन्होंने वे भी छोड़ दिए। अब वे कुछ भी ग्रहण नहीं करती थी। सूखे पत्ते छोड़ने पर ही उनका नाम 'अपर्णा' पड़ा। माँ पार्वती जी का इतना भयंकर तप देख कर आकाशवाणी हुई, कि हे पर्वतराज की सुपुत्री! सुन तेरा मनोरथ सफल हुआ।

श्रीपार्वती जी साक्षात भवानी हैं। वे जगत जननी हैं। लेकिन तब भी वे अपने जीवन चरित्र के माध्यम से यह शिक्षा देना चाहती हैं, कि जीवन में आप अगर महाशक्तिशाली भी हैं, सब प्रकार से संपन्न हैं, तो भी तप का महत्व आप कम नहीं आँक सकते हैं। वर्तमान संसार में आप देखिए, जीव को तनिक सी भी मायावी सफलता प्राप्त हो जाये, वह इतना आलसी हो जाता है, कि प्रत्येक कार्य मशीनों पर ही टाल कर चलता है। तप की तो इसे जैसे आवश्यक्ता ही नहीं है। जिसका परिणाम यह है, कि व्यक्ति अनेकों भयंकर रोगों से ग्रसित हो चुका है। मन पर कोई अंकुश ही नहीं है। विषय विकारों में ऐसा गलतान हो चुका है, कि मन भयंकर राक्षस हो चुका है। किसी में सहने की शक्ति नहीं बची है। जिस कारण परिवारों में विछेद हो रहे हैं। दया धर्म तो मानों बहुत दूर की कौड़ी हो रखी है। जबकि गोस्वामी जी इतना स्पष्ट कह रहे हैं, कि तप की आवश्यक्ता तो त्रिदेवों को भी है। क्योंकि सृष्टि की उत्पत्ति, पालन और संहार तभी हो पाता है, जब त्रिदेव तप का आसरा लेते हैं-

'तपबल रचइ प्रपंचु बिधाता।
तपबल बिष्नु सकल जग त्राता।।
तपबल संभु करहिं संघारा।
तपबल सेषु धरइ महिभारा।।'

इसी तप की महिमा को महिमा मंडित करने के लिए, माँ पार्वती जी तप के निकल पड़ी।

वे सबसे पहले, कुछ काल तक तो केवल जल और वायु का ही सेवन करती हैं। फिर अनेकों प्रकार के कठोर उपवास करती हैं। उसके पश्चात, जो बेल पत्र सूख कर धरती पर गिर जाते थे, माँ पार्वती ने उन्हीं बेल पत्रें को ही खाती हैं। वह भी कोई दो चार दिन नहीं, अपितु पूरे तीन हजार वर्ष-

'कछु दिन भोजनु बारि बतासा।,
किए कठिन कछु दिन उपबासा।।
बेल पाती महि परइ सुखाई।
तीनि सहस संबत सोइ खाई।।'

माँ पार्वती ने जो सूखे पत्ते खाकर उपवास रखे हुए थे, अब उन्होंने वे भी छोड़ दिए। अब वे कुछ भी ग्रहण नहीं करती थी। सूखे पत्ते छोड़ने पर ही उनका नाम 'अपर्णा' पड़ा। माँ पार्वती जी का इतना भयंकर तप देख कर आकाशवाणी हुई, कि हे पर्वतराज की सुपुत्री! सुन तेरा मनोरथ सफल हुआ। तू अब सारे असहाय कष्टों को छोड़ कर अपनी सामान्य अवस्था को प्राप्त हो। अब महान कष्टों की आवश्यक्ता नहीं रहेगी, क्योंकि तुम भगवान शंकर से मिलने के लिए सिद्ध हो चुकी हो। ब्रह्मा जी द्वारा हुई आकाशवाणी में अत्यंत प्रसन्नता थी। ब्रह्मा जी कहा रहे थे, कि हे भवानी! संसार में बहुत से धीर, मुनि और ज्ञानी हुए हैं। किंतु ऐसा कठोर तप आज तक किसी ने भी नहीं किया। अब मैं तुम्हें जो कहने जा रहा हुँ, उसे श्रेष्ठ ब्रह्मा की वाणी समझकर अपने हृदय में धारण करना। हे भवानी! अब आपके पिता जी आपको बुलाने आयेंगे। तब ऐसा न हो, कि आप तप ही करते रहियेगा। आप उनका कहना मान कर एवं हठ छोड़ कर उनके साथ घर चले जाना। केवल इतना ही नहीं, जब तुम्हें सप्तर्षि मिलें, तब इस वाणी को ठीक मानना।

माँ पार्वती ने जैसे ही यह

आकाशवाणी सुनी, तो उनकी प्रसन्नता की कोई पार न रही। हर्ष के मारे उनका सरीर पुलकित हो गया। उन्होंने अपने जीवन के सार को पाने के लिए लक्षय को भेद दिया।

आवश्यक्ता है कि हम भी अपने जीवन में माँ पार्वती के आदर्शों को धारण करें। ठीक है, हम अपने जीवन में अलग-अलग लक्षय निर्धारित कर सकते हैं। किंतु यह कभी भी नहीं भूलना चाहिए, कि हमारा प्रथम कार्य व लक्षय ईश्वर को पाना है। उसमें ही विलीन हो जाना है।

पिंपल्स का सफाया कर सकते हैं ये घरेलू नुस्खे, आप भी आजमाकर देखें

आप नेचुरल तरीके से भी कुछ सस्ते और असरदार तरीके अपनाकर फेस को पिंपल्स फ्री बना सकती हैं। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ असरदार घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं।

फेस पर पिंपल्स होना एक नेचुरल बात होती है, लेकिन समस्या तब होती है जब फेस पर पिंपल्स बढ़ने लगते हैं। वहीं कई बार पिंपल्स फेस पर दाग छोड़ जाते हैं। इन दागों से निजात पाने के लिए हम सभी तरह-तरह के तरीके अपनाते हैं। ऐसे में आप नेचुरल तरीके से भी कुछ सस्ते और असरदार तरीके अपनाकर फेस को पिंपल्स फ्री बना सकती हैं। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ असरदार घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाकर आप अपनी त्वचा को पिंपल फ्री बना सकती हैं।

शहद है फायदेमंद

फेस से पिंपल्स को दूर करने के लिए आप शहद का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। शहद एंटीबैक्टीरियल और एंटी इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूत होता है। इसलिए इसके कई फायदे होते हैं। आप फेस पर पिंपल्स निकलते ही इसके ऊपर शहद की एक-दो बूंद लगाकर रात भर के लिए छोड़ दें। फिर अगले दिन सुबह ठंडे पानी से चेहरे को धो लें। ऐसा करने से पिंपल्स नहीं होंगे।

बर्फ का करें इस्तेमाल

फेस पर बर्फ की सिकाई करने से पिंपल्स के सूजन और दर्द से राहत मिलती है। बर्फ को एक टिश्यू में लें और फिर इसको चेहरे के जिस एरिया पर अधिक पिंपल्स होते हैं, वहां पर थपकी देते हुए सिकाई करें। इससे फेस पर बैक्टीरिया कम होते हैं और चेहरा एक्ने फ्री होता है।

एलोवेरा है फायदेमंद

बता दें कि एलोवेरा का छिलका और उसका गूदा दोनों ही पिंपल्स में काफी फायदेमंद साबित होता है। एलोवेरा के पल्प को नीम के पाउडर में मिक्स कर फेस पर अप्लाई करें। फेस के जिस हिस्से पर कील-मुंहासें ज्यादा होते हैं, आप वहां पर एलोवेरा के छिलके को रगड़कर पिंपल फ्री बना सकते हैं।

ग्रीन टी का करें इस्तेमाल

स्किन के लिए ग्रीन टी काफी फायदेमंद होती है। आप गर्म पानी में इसको उबाल लें और फिर इस पानी को ठंडा कर फेस पर स्प्रे करें। इस उपाय को करने से पिंपल्स की समस्या कम होती है और आपकी त्वचा भी बैक्टीरिया फ्री रहती है। ग्रीन टी में मौजूद एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पिंपल्स के दाग नहीं पड़ने देते हैं।

50 की उम्र में भी हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए करें ये उपाय, जानिए क्या कहते हैं एक्सपर्ट

लाइफस्टाइल में गड़बड़ी और आहार की गड़बड़ी ने इन खतरों को बढ़ा दिया है। हड्डियों की मजबूती बनी रहें, इसके लिए कम उम्र से ही प्रयास किया जाना चाहिए। हड्डियों की अच्छी सेहत के लिए पौष्टिकता से भरपूर डाइट लेनी चाहिए।

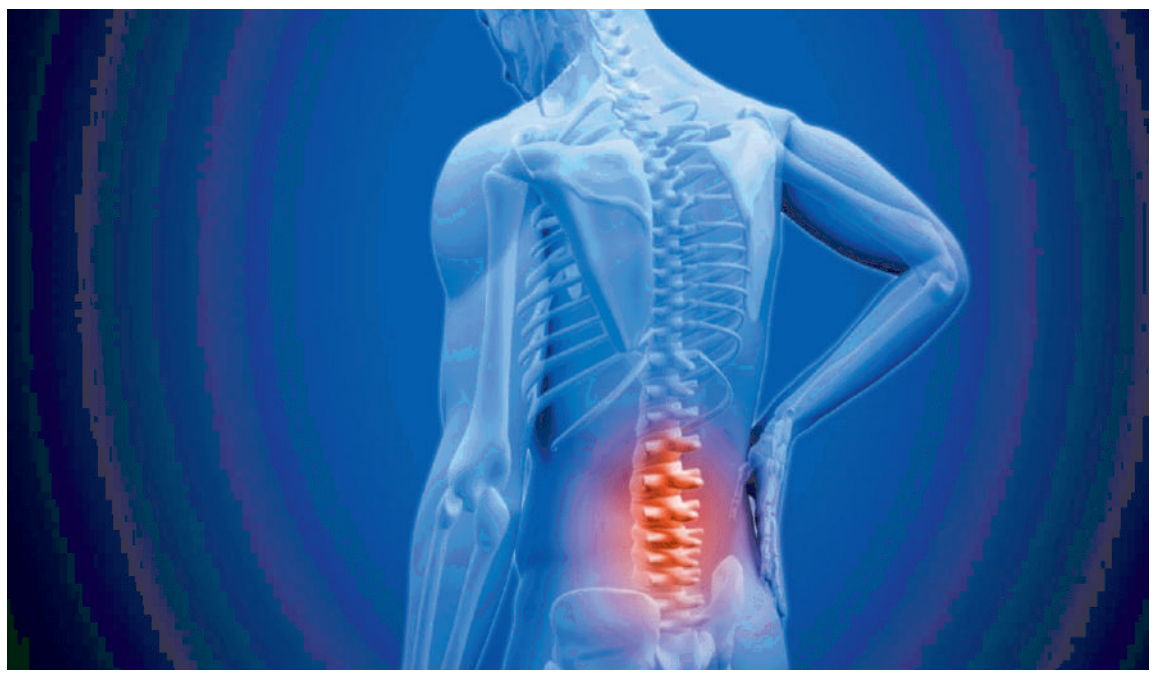

उम्र बढ़ने के साथ हड्डियों की कमजोरी और हड्डी संबंधित विकारों का खतरा बढ़ने लगता है। आर्थराइटिस और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं की वजह से लोगों का उठना-चलना भी मुश्किल हो जाता है। हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो लाइफस्टाइल में गड़बड़ी और आहार की गड़बड़ी ने इन खतरों को बढ़ा दिया है। हड्डियों की मजबूती बनी रहें, इसके लिए कम उम्र से ही प्रयास किया जाना चाहिए। आहार में कैल्शियम और विटामिन डी जैसे पोषक तत्वों से भरपूर चीजों को शामिल करना चाहिए। रोजाना नियमित रूप से व्यायाम करना चाहिए। जिससे हड्डियों के जोखिम को कम किया जा सके।

हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, हड्डियों की अच्छी सेहत के लिए पौष्टिकता से भरपूर डाइट लेनी चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किन उपायों से आप 50 की उम्र में भी हड्डियों की मजबूती बनाए रख सकते हैं और इन उपायों से ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं का खतरा भी कम होगा।

जानिए क्या कहते हैं एक्सपर्ट

बता दें कि 30 साल से कम उम्र के लोगों में भी पीठ और कमर दर्द की शिकायत देखने को मिल रही हैं। वहीं समय से पहले ही जोड़ों व गठिया की समस्या बढ़ रही है। इसका मुख्य कारण लंबे समय तक बैठना, लाइफस्टाइल में गड़बड़ी, फिजिकल एक्टिविटी न करना आदि है। इस तरह की समस्याओं से बचने के लिए कम उम्र से ही प्रयास करना बेहद जरूरी है। यदि आप शुरूआत से ही तीन बातों का ध्यान रखते हैं, तो 50 की उम्र में भी आपकी हड्डियों की मजबूती बनी रह सकती है।

शारीरिक निष्क्रियता

फिजिकल एक्टिविटी का कम होना और ज्यादा देर तक बैठे रहने की आदत क्रोनिक बीमारियों को बढ़ावा देती हैं। जिसके कारण हड्डियों संबंधित समस्या होने का भी खतरा बना रह सकता है। हमारे जोड़ों को चिकनाई और हेल्दी रहने के लिए गतिशीलता की जरूरत होती है। वहीं लंबे समय तक बैठे रहने से जोड़ों में अकड़न हो जाती है। जिससे गठिया जैसी बीमारियों का खतरा रहता है। इसलिए लंबे समय तक बैठे रहने से बचें और रोजाना एक्सरसाइज या योग आदि कर आप हड्डियों की समस्या से बच सकते हैं।

पौष्टिक आहार

पौष्टिक आहार हड्डियों से लेकर शरीर के सभी अंगों के लिए लाभकारी माना जाता है। हड्डियों के लिए कैल्शियम से बेहतर कुछ नहीं होता है। आपको डेयरी उत्पादों का सेवन करना चाहिए। हरी सब्जियों में विटामिन के पाया जाता है, ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या हो कम करने में मदद करता है। अपनी डाइट में विटामिन डी और नट्स वाली चीजों का भी सेवन करें। क्योंकि विटामिन डी के बिना कैल्शियम का अवशोषण नहीं होता है। ऐसे में कम उम्र से ही पौष्टिक आहार का सेवन कर आप हड्डियों की समस्या से बच सकते हैं।

धूम्रपान से बनाएं दूरी

बता दें कि सिगरेट में मौजूद निकोटीन हड्डियों को बनाने वाले ऑस्टियोब्लास्ट के उत्पादन को धीमा कर देता है। इससे हड्डियों का नेचुरल रूप से क्षरण होता है और नई हड्डियां नहीं बन पाती है। धूम्रपान करने से डाइट में कैल्शियम का अवशोषण कम हो जाता है। ऐसे में अगर आप चाहते हैं कि आपकी हड्डियां मजबूत रहें, तो धूम्रपान की आदत से तौबा करना चाहिए। धूम्रपान करने वाले लोगों में सबसे ज्यादा ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या देखी जाती है।

भूलकर भी न करें रसोईघर से जुड़ी ये गलतियां, वरना नाराज हो सकती हैं मां अन्नपूर्णा

हिंदू धर्म के मुताबिक रसोई घर में मां अन्नपूर्णा का वास होता है। मां अन्नपूर्णा को अनाज और भोजन की देवी मानी जाती हैं। इसलिए रसोई हमारे घर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। लेकिन रसोई घर से संबंधित कुछ नियमों का खास ध्यान रखना चाहिए। इन नियमों का ध्यान न रखने से मां अन्नपूर्णा आपसे नाराज हो सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि मां अन्नपूर्णा की कृपा बनाए रखने के लिए किन गलतियों को करने से बचना चाहिए।

न करें ये गलतियां

बता दें कि रसोई घर की साफ-सफाई का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए। हिंदू मान्यताओं के मुताबिक मां लक्ष्मी सिर्फ साफ-सुथरे स्थानों पर निवास करती हैं। साथ ही कभी भी जूते-चप्पल पहनकर रसोई में नहीं जाना चाहिए। ऐसा करना अशुभ माना जाता है। रसोई में स्नान करने के बाद ही जानना चाहिए, इससे मां अन्नपूर्णा की आप पर कृपा बनी रहती है।

इन बातों का भी रखें ख्याल

रोजाना रात में खाना खाने के बाद कभी भी झूठे बर्तन नहीं छोड़ना चाहिए। क्योंकि ऐसा करने से मां लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं और व्यक्ति पर संकटों का पहाड़ टूट सकता है। इसलिए हमेशा बर्तनों को साफ करने के बाद ही सोना चाहिए। वहीं यदि आपकी रसोई में नल टपक रहा है, तो उसको फौरन ठीक करवा लेना चाहिए। वरना इससे आपके खर्चे बढ़ सकते हैं।

बढ़ने लगते हैं लड़ाई-झगड़े

कुछ लोगों की आदत होती है कि वह खाना बनाने के दौरान उसको टेस्ट कर देखते हैं। लेकिन धार्मिक दृष्टि से देखा जाए, तो ऐसा करना सही नहीं माना जाता है। इसके अलावा कभी भी रसोई र में बैठकर खाना नहीं खाना चाहिए। इससे परिवार में लड़ाई-झगड़े बढ़ने लगते हैं।

हिंदू धर्म के मुताबिक रसोई घर में मां अन्नपूर्णा का वास होता है। मां अन्नपूर्णा को अनाज और भोजन की देवी मानी जाती हैं। इसलिए रसोई हमारे घर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करती है अयोध्या नगरी

राम जन्मभूमि अयोध्या का सबसे महत्वपूर्ण और पवित्र स्थल है। यह वह स्थान है जहां भगवान राम का जन्म हुआ था। यहाँ पर स्थित श्री राम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा है और यह स्थल हर वर्ष लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करता है।

अयोध्या, उत्तर प्रदेश का एक प्राचीन और धार्मिक शहर है जो भारतीय संस्कृति और इतिहास का अभिन्न हिस्सा है। यह नगर भगवान राम की जन्मभूमि के रूप में प्रसिद्ध है और धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। अयोध्या की यात्रा न केवल धार्मिक आस्था का अनुभव कराती है, बल्कि इसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों का अन्वेषण भी करती है। आइए जानें अयोध्या के प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में:

1. राम जन्मभूमि

राम जन्मभूमि अयोध्या का सबसे महत्वपूर्ण और पवित्र स्थल है। यह वह स्थान है जहां भगवान राम का जन्म हुआ था। यहाँ पर स्थित श्री राम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा है और यह स्थल हर वर्ष लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करता है। मंदिर परिसर में भगवान राम की आराधना और पूजा का अनुभव एक दिव्य और आध्यात्मिक आनंद प्रदान करता है।

2. हनुमान गढ़ी

हनुमान गढ़ी, अयोध्या के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। यह मन्दिर भगवान हनुमान को समर्पित है और अयोध्या के सबसे प्रमुख आकर्षणों में से एक है। यहाँ पर एक भव्य मूर्ति है और इसे भगवान राम के भक्तों के लिए एक विशेष स्थल माना जाता है। मंदिर की शांति और भक्तिमय वातावरण एक अनूठा अनुभव प्रदान करते हैं।

3. कनक भवन

कनक भवन, भगवान राम और सीता के जीवन की एक महत्वपूर्ण झलक प्रस्तुत करता है। यह मंदिर विशेष रूप से सुंदर और भव्य है और इसे राजा दशरथ द्वारा निर्मित करवाया गया था। मंदिर की वास्तुकला और यहाँ पर स्थापित भगवान राम और सीता की मूर्तियाँ दर्शनीय हैं।

4. श्री दुर्गा जी का मन्दिर

श्री दुर्गा जी का मन्दिर अयोध्या के प्रमुख मंदिरों में से एक है। यह मंदिर देवी दुर्गा को समर्पित है और यहाँ पर नियमित पूजा अर्चना की जाती है। मंदिर का शांतिपूर्ण वातावरण और धार्मिक महत्व श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है।

5. श्री राम की पैड़ी

श्री राम की पैड़ी, अयोध्या का एक महत्वपूर्ण स्थल है जहाँ पर श्रद्धालु गंगा नदी के समान निर्मित सरोवर में स्नान करते हैं। यहाँ की धार्मिक मान्यता और धार्मिक क्रियाएँ इस स्थान को विशेष बनाती हैं।

6. साक्षी गोपाल मंदिर

साक्षी गोपाल मंदिर भगवान कृष्ण को समर्पित है और अयोध्या के प्रमुख मंदिरों में शामिल है। यहाँ पर भगवान कृष्ण की मूर्ति और मंदिर का शांत वातावरण भक्तों के लिए एक दिव्य अनुभव प्रदान करता है।

7. नंदनी वन

नंदनी वन, अयोध्या के प्राचीन वन क्षेत्रों में से एक है। यह स्थल भगवान राम के वनवास के दौरान की घटनाओं से जुड़ा हुआ है। यहाँ पर वन्य जीवन और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया जा सकता है।

8. स्वर्गद्वारी आश्रम

स्वर्गद्वारी आश्रम, अयोध्या का एक प्रमुख आश्रम है जहाँ पर योग और ध्यान की विधियाँ सिखाई जाती हैं। यहाँ का शांतिपूर्ण वातावरण और साधना की विधियाँ आध्यात्मिक उन्नति के लिए आदर्श हैं।

9. शबरी आश्रम

शबरी आश्रम, भगवान राम के वनवास के दौरान शबरी माता के द्वारा बनाए गए आश्रम का प्रतिनिधित्व करता है। यहाँ पर शबरी माता की पूजा अर्चना की जाती है और यह स्थल धार्मिक मान्यता से भरपूर है।

निष्कर्ष

अयोध्या, धार्मिकता, संस्कृति और इतिहास का एक अनूठा संगम है। यहाँ की धार्मिक स्थल, ऐतिहासिक धरोहर और आध्यात्मिक वातावरण आपकी यात्रा को एक अविस्मरणीय अनुभव बनाएंगे। चाहे आप धार्मिक आस्था के लिए आएं या भारतीय संस्कृति का गहरा अनुभव करना चाहें, अयोध्या आपके लिए एक आदर्श गंतव्य साबित होगा।

संसद भवन की सुरक्षा में फिर सेंध, नकली पास की मदद से घुसने की कोशिश कर रहे युवक को मुस्तैद सुरक्षाकर्मियों ने पकड़ा

परिवहन विशेष

संसद भवन की सुरक्षा में एक और बड़ी चूक सामने आई है। बुधवार सुबह 10 बजे सीआईएसएफ कर्मियों ने संसद के प्रवेश द्वार पर चेकिंग के दौरान एक दिहाड़ी मजदूर को जाली पास के साथ पकड़ा। इस घटना ने संसद की सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। इस मामले की जांच संसद मार्ग थाना कर रहा है।

नई दिल्ली। संसद भवन की सुरक्षा में सेंध का एक और मामला सामने आया है। मामला बुधवार सुबह 10 बजे का है। सीआईएसएफ कर्मियों ने संसद के प्रवेश द्वार पर चेकिंग के दौरान जाली पास के साथ एक दिहाड़ी मजदूर को पकड़ लिया। उसके पास मिले पास के बारे में पूछताछ करने पर उसने बताया कि वह पास उसे कंप्यूटर ऑपरेटर तुषार यादव ने मुहैया कराया था।

तुषार यादव से पूछताछ करने पर उसने गलती स्वीकार की और माफी मांगी। इसपर आगे की जांच के लिए मजदूर को स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया। संसद मार्ग थाना इस मामले में जांच कर रहा है।

16 अगस्त को भी एक युवक दीवार फांदकर संसद में घुसा

बीते 16 अगस्त को भी एक युवक दीवार फांदकर संसद परिसर में घुस गया था। वहां तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों ने युवक को पकड़ लिया था। घटना की जानकारी मिलते ही सभी सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं थी। संसद भवन में आईबी समेत अन्य केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने उससे घंटों पूछताछ करने के उसे संसद मार्ग पुलिस को सौंप दिया था। वह इम्तियाज खान रोड की तरफ से संसद भवन की दीवर फांदकर अंदर घुस आया था। युवक की पहचान उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ निवासी मनीष के रूप में हुई थी। उसकी मानसिक हालत ठीक नहीं थी।

बीते साल 13 दिसंबर को चार युवकों ने लगाया था सेंध

संसद भवन की सुरक्षा में चूक का यह कोई नया मामला नहीं है। 2001 में संसद पर हमले की बरसी पर पिछले साल 13 दिसंबर को संसद में शीतकालीन सत्र के दौरान चार व्यक्तियों ने प्रवेश किया था। वे लोग मुख्य

हाल से कूदकर लोकसभा में दाखिल हुए थे। इन्होंने यहां पीले रंगा धुआं छोड़ा था और उसी समय संसद के बाहर भी दो लोगों ने नारेबाजी की थी। हालांकि सभी को गिरफ्तार कर लिया गया था। सभी आरोपित न्यायिक हिरासत में ही हैं।

सुरक्षा का जिम्मा सीआईएसएफ को सौंपी गई

इस घटना के बाद संसद की आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी दिल्ली पुलिस और सीआरपीएफ से लेकर सीआईएसएफ को सौंप दी गई थी। इसी साल चार जून को संसद भवन फ्लैप गेट पर पास चेकिंग के दौरान सीआइएसएफ कर्मियों ने कासिम, मोनिस और शोएब नामक तीन व्यक्तियों को पकड़ा था जो फर्जी आधार दिखाकर संसद भवन में घुसने की कोशिश कर रहे थे। बाद में पूछताछ के बाद इन्हें छोड़ दिया गया था।

नियमों का पालन नहीं करने पर एअर इंडिया एक्सप्रेस पर डीजीसीए ने लगाया 10 लाख का जुर्माना

परिवहन विशेष

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने नियमों का पालन नहीं करने के कारण एअर इंडिया एक्सप्रेस पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। डीजीसीए ने जून में किए गए निरीक्षण में पाया कि एअर इंडिया एक्सप्रेस ने उड़ान रद्द होने से प्रभावित यात्रियों को मुआवजा संबंधी नियमों का पालन नहीं किया। एअर इंडिया एक्सप्रेस को कारण बताओ नोटिस जारी कर जबाव मांगा गया था।

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने नियमों का पालन नहीं करने के लिए एअर इंडिया एक्सप्रेस पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। डीजीसीए ने जून में किए गए निरीक्षण में एअर इंडिया एक्सप्रेस को नियमों का अनुपालन नहीं करते हुए पाया। नियमों का अनुपालन न करने के लिए एअर इंडिया एक्सप्रेस को कारण बताओ नोटिस जारी कर जबाव मांगा गया था।

एअर इंडिया एक्सप्रेस के जवाब से पता चला कि एयरलाइन ने उड़ान रद होने से प्रभावित यात्रियों को मुआवजा संबंधी नियमों का पालन नहीं किया। वहीं डीजीसीए ने उड़ान प्रशिक्षण संगठन (एफटीओ) के रूप में काम करने के लिए अल्केमिस्ट एविएशन प्राइवेट लिमिटेड को दी गई मंजूरी को निलंबित कर दिया।

विमान दुर्घटना के बाद की गई कार्रवाई

एक प्रशिक्षु विमान के 20 अगस्त को दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद यह कार्रवाई की गई। इस दुर्घटना में विमान में सवार दोनों व्यक्तियों यानी प्रशिक्षु पायलट और प्रशिक्षक की जान चली गई थी। दुर्घटना के बाद डीजीसीए ने 23 और 24 अगस्त को 'अल्केमिस्ट एविएशन' का विशेष सुरक्षा ऑडिट किया। डीजीसीए ने गुरुवार को बताया, ऑडिट के दौरान कई गंभीर कमियां मिलीं।

'दिल्ली में लड़कियों की शादी की उम्र 18 से बढ़ाकर 21 होगी', विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की घोषणा

परिवहन विशेष

कांग्रेस नेता देवेंद्र यादव ने हिमाचल प्रदेश सरकार के बाल विवाह निषेध विधेयक की सराहना की और कहा कि अगर दिल्ली में कांग्रेस की सरकार बनती है तो वे भी लड़कियों की शादी की उम्र बढ़ाने का कदम उठाएंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में सड़कें टूटी हैं पीने का पानी गंदा आता है जरा सी वर्षा में जगह जगह जलभराव हो जाता है।

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने बृहस्पतिवार को हिमाचल प्रदेश के बाल विवाह निषेध विधेयक की सराहना की और वादा किया कि अगर राष्ट्रीय राजधानी में कांग्रेस की सरकार बनाती है, तो वह भी इसी तरह का कदम उठाएगी। मालूम हो कि हिमाचल प्रदेश सरकार ने लड़कियों के लिए विवाह की न्यूनतम आयु 18 से बढ़ाकर 21 वर्ष कर दी है।

यादव पार्टी कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार के 'आप का विधायक, आपके द्वार' अभियान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जनता सवाल पूछ रही, 10 साल में दिल्ली बदहाल, कहां थे विधायक और कहां थी सरकार?

चुनाव का समय आया तो विधायकों को जनता याद आई: देवेंद्र

उन्होंने कहा कि राजधानी में सड़कें टूटी हैं, पीने का पानी गंदा आता है, जरा सी वर्षा में जगह जगह जलभराव हो जाता है, प्रदूषण और जाम यहां की स्थायी समस्या बन गया है। अब चुनाव का समय आया तो विधायकों का जनता याद आ गई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन और पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज और पूर्व विधायक कुंवर करण सिंह भी मौजूद थे।

दिल्लीवासियों को प्रदूषण से मुक्ति दिलाएगी 'कृत्रिम वर्षा', विंटर एक्शन प्लान को लेकर सामने आई सरकार की योजना

परिवहन विशेष

दिल्ली सरकार सर्दियों के प्रदूषण से निपटने के लिए 14 सूत्रीय विंटर एक्शन प्लान बना रही है। विशेषज्ञों के सुझाव पर गंभीर श्रेणी के प्रदूषण वाले दिनों में कृत्रिम वर्षा कराने पर विचार किया जा रहा है। अन्य सुझावों में जागरूकता अभियान चलाना पहले से ही वर्क फ्रॉम होम को प्रोत्साहित करना ऑड इवेन की जगह एक स्लाट की गाड़ियों पर स्वैच्छिक प्रतिबंध का फार्मूला लागू करना शामिल है।

नई दिल्ली। सर्दियों के प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली सरकार 14 सूत्रीय विंटर एक्शन प्लान बनाएगी। इसी प्लान पर विशेषज्ञों के साथ राय सलाह मशविरा करने के लिए पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बृहस्पतिवार को सचिवालय में राउंड टेबल कांफ्रेंस रखी। इसमें डीपीसीसी, पर्यावरण विभाग, यूएनईपी, एपिक इंडिया, क्लीन एयर एशिया, आईआईटी कानपुर सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी और प्रतिनिधि शामिल हुए।

इस बैठक के बाद प्रेस वार्ता में गोपाल राय ने बताया कि विशेषज्ञों ने 'गंभीर' श्रेणी के प्रदूषण वाले दिनों में दिल्ली में कृत्रिम वर्षा कराने का सुझाव दिया। इस सुझाव पर आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञों और सभी

संबंधित विभागों के साथ बैठक करने के लिए वह शुक्रवार को केंद्रीय पर्यावरण मंत्री को पत्र लिखेंगे।

पांच सितंबर को विभागों के साथ होगी समीक्षा बैठक

राय ने कहा कि 78 विभागों और संस्थाओं के अधिकारियों और प्रतिनिधियों के सुझावों पर आगे का विंटर एक्शन प्लान तैयार किया जाएगा। इस बैठक का उद्देश्य भी यही था कि विशेषज्ञों द्वारा दिए गए सुझाव से विंटर एक्शन प्लान को और प्रभावी बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि पांच सितंबर को सभी संबंधित विभागों के साथ समीक्षा बैठक कर संयुक्त कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

हॉटस्पॉट के लिए अलग- अलग कार्य योजना

गोपाल राय ने कहा कि प्रदूषण को कम करने और वायु गुणवत्ता में सुधार को लेकर हॉटस्पॉट के लिए अलग- अलग कार्य योजना बनाई जाएगी। विशेषज्ञों ने भी राय दी है कि इन सभी हॉट स्पाटों पर अलग-अलग एक्शन प्लान बनाकर वहां के प्रदूषण को घटाया जाए, जिससे दिल्ली में प्रदूषण को और कम किया जा सके।

विशेषज्ञों से मिले कई तरह के सुझाव

उन्होंने बताया कि विशेषज्ञों से मिले अन्य सुझावों में प्रदूषण से संबंधित लोगों के व्यवहार में बदलाव लाना, जागरूकता अभियान चलाना, पहले से ही वर्क फार्म होम को प्रोत्साहित करना, ऑड इवेन की जगह एक स्लाट की गाड़ियों पर स्वैच्छिक प्रतिबंध का फार्मूला लागू करना, विभिन्न ऑफिस की टाइमिंग को अलग-अलग करने का सुझाव, सर्दियों में बायोमास बर्निंग को रोकने के लिए सोसायटी के गार्डों को हीटर वितरित करने का सुझाव, हाट स्पाट पर इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल को प्रोत्साहित करने जैसे सुझाव शामिल रहे। मंत्री ने कहा कि इन सभी सुझावों को विंटर एक्शन प्लान में शामिल किया जाएगा।

ये हैं 14 सूत्रीय फोकस बिंदु

1- धूल प्रदूषण
2- वाहनों से होने वाले प्रदूषण
3- पराली जलाना
4- ओपन कूड़ा बर्निंग
5- औद्योगिक प्रदूषण
6- ग्रीन वार रूम एवं ग्रीन ऐप
7- हॉट स्पाट
8- रियल टाईम सोर्स अपार्शन्मेंट स्टडी
9- हरित क्षेत्र को बढ़ाना/ वृक्षारोपण
10- ई-वेस्ट इको पार्क
11- जन भागीदारी को बढ़ावा
12- पटाखों पर प्रतिबंध
13- केंद्र सरकार एवं पड़ोसी राज्यों के साथ संवाद
14- ग्रेप का प्रभावी क्रियान्वयन

सोमवती अमावस्या पर दिल्ली के लोगों को नहीं होगी परेशानी, हरिद्वार से सीधे शाहदरा के चलेगी विशेष ट्रेन

परिवहन विशेष

सोमवती अमावस्या के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे प्रशासन ने हरिद्वार से दिल्ली के शाहदरा तक एक विशेष अनारक्षित ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन 2 सितंबर को हरिद्वार से शाम 445 बजे रवाना होगी और रात 1030 बजे शाहदरा रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। रास्ते में इसका ठहराव रुड़की तपरी मुजफ्फरनगर मेरठ सिटी और गाजियाबाद में होगा।

नई दिल्ली। सोमवती अमावस्या के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे प्रशासन ने हरिद्वार से दिल्ली के शाहदरा तक विशेष अनारक्षित ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। उत्तर रेलवे के अधिकारियों ने कहा कि सोमवती अमावस्या पर बड़ी संख्या में लोग गंगा स्नान के लिए हरिद्वार जाते हैं। इसे ध्यान में रखकर दो सितंबर को हरिद्वार से दिल्ली शाहदरा के लिए विशेष अनारक्षित ट्रेन चलेगी।

यह विशेष ट्रेन हरिद्वार से शाम पौने पांच बजे रवाना होगी और रात 10:30 बजे शाहदरा रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। रास्ते में इसका ठहराव रुड़की, तपरी, मुजफ्फरनगर, मेरठ सिटी और गाजियाबाद में होगा। हरिद्वार से शाम 5:20 बजे बठिंडा के लिए भी एक विशेष अनारक्षित ट्रेन चलेगी।

हाल ही में वैष्णो देवी के लिए तीन ट्रेनों का परिचालन शुरू

बता दें, उत्तर रेलवे ने हाल ही में दिल्ली से वैष्णो देवी कटरा के लिए तीन स्पेशल ट्रेनों को चलाने का फैसला लिया था। तीनों ट्रेनों का सोनीपत में ठहराव दिए जाने से उत्तर हरियाणा, पंजाब, हिमाचल और जम्मू कश्मीर की तरफ जाने यात्रियों को राहत मिलेगी।

दिल्ली के सार्वजनिक शौचालयों की गंभीर स्थिति, तत्काल सुधार की आवश्यकता - मनोज कुमार जैन

परिवहन विशेष। सुषमा रानी।

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के नामित सदस्य, मनोज कुमार जैन, ने दिल्ली के सार्वजनिक शौचालयों की बदतर स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। एमसीडी के आयुक्त श्री अश्वनी कुमार को लिखे गए पत्र में, उन्होंने इन शौचालयों के रखरखाव और विशेष रूप से महिलाओं के लिए अतिरिक्त स्वच्छता सुविधाओं की आवश्यकता पर बल दिया है।

मुख्य समस्याएँ:

अत्यधिक अस्वच्छ स्थिति: दिल्ली के कई सार्वजनिक शौचालयों में जाम की समस्या है, जिसके कारण मूत्र का बाहर बहना और अस्वच्छता की स्थिति उत्पन्न हो रही है। नियमित सफाई के अभाव में लोग अस्वास्थ्यकर विकल्पों का सहारा लेने पर मजबूर हैं।

- बुनियादी सुविधाओं की कमी: कई सार्वजनिक शौचालयों में हाथ धोने की सुविधा और ठीक से काम करने वाले फ्लश सिस्टम का अभाव है। ढांचे में खराबी और टूटे-फूटे फिटिंग्स आम बात हो गई है।

- प्रकाश और वेंटिलेशन की कमी: इन शौचालयों में पर्याप्त प्रकाश और वेंटिलेशन की अनुपस्थिति विशेषकर रात के समय में एक बड़ी समस्या बन गई है, जिससे इनका उपयोग मुश्किल और असुरक्षित हो जाता है।

कीटाणुशोधन की कमी: नियमित कीटाणुशोधन न होने के कारण, इन शौचालयों से बदबू आती है, जिससे वातावरण अस्वस्थ और असुविधाजनक हो जाता है।

- स्वास्थ्य जोखिम: इन शौचालयों की उपेक्षित स्थिति के कारण ये मच्छरों और अन्य कीटों के प्रजनन स्थल बन गए हैं, जिससे डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों का प्रसार हो रहा है, विशेष रूप से आसपास के क्षेत्रो में

महिलाओं के लिए स्वच्छता सुविधाओं की कमी:

मनोज कुमार जैन ने पत्र में दिल्ली में महिलाओं के लिए सार्वजनिक शौचालयों की गंभीर कमी की ओर भी ध्यान आकर्षित किया है। वर्तमान सुविधाएँ पर्याप्त नहीं हैं, जिससे महिलाओं की सुरक्षा और स्वच्छता को लेकर गंभीर चिंताएँ उत्पन्न हो रही हैं।

प्रस्तावित समाधान:

इन समस्याओं के समाधान के लिए, मनोज कुमार जैन ने सुझाव दिया है कि स्थानीय रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) और ट्रेडर्स एसोसिएशन को इन शौचालयों के रखरखाव की जिम्मेदारी दी जाए। इन समूहों को आवश्यक धनराशि प्रदान करके और उन्हें विज्ञापन और होर्डिंग्स के माध्यम से अतिरिक्त संसाधन जुटाने की अनुमति

देकर, सार्वजनिक शौचालयों के रखरखाव को काफी हद तक सुधारा जा सकता है।

इसके अलावा, दिल्ली में महिलाओं के लिए अधिक संख्या में सुरक्षित और साफ-सुथरे शौचालयों का निर्माण करना स्वच्छ भारत अभियान के लक्ष्यों को प्राप्त करने और सभी नागरिकों की गरिमा बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

AAP पार्षदों ने खटखटाया दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा, चुनाव को लेकर क्यों की ये बड़ी मांग?

परिवहन विशेष

MCD की वार्ड कमेटियों के चुनाव को लेकर जारी अधिसूचना के खिलाफ आप के पार्षदों ने दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया है। आप पार्षदों ने चुनाव कराने संबंधी 28 अगस्त के आदेश को रद्द करने की मांग करते हुए कहा है कि एमसीडी समेत अन्य प्रतिवादियों को नए सिरे से चुनावों की तारीख घोषित करने को कहा जाए ताकि नामांकन दाखिल करने के लिए पर्याप्त समय मिल सके।

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की वार्ड कमेटियों का चुनाव को लेकर जारी अधिसूचना के विरुद्ध आम आदमी पार्टी (आप) पार्षदों ने दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

गुरुवार को वरिष्ठ अधिवक्ता राहुल मेहरा ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन व न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख किया। उन्होंने मामले में तत्काल सुनवाई करने का अनुरोध किया। इस पर पीठ ने मामले को 30 अगस्त के लिए सूचीबद्ध करने का आदेश दिया। मामले पर शुक्रवार को न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव की पीठ सुनवाई करेगी।

नामांकन के लिए मिलना चाहिए पर्याप्त समय

याचिकाकर्ता डाबरी से आप पार्षद तिलोतमा चौधरी और दक्षिणपुरी के पार्षद प्रेम चौहान ने याचिका दायर कर नए सिरे से चुनावों की घोषणा की मांग की है। पार्षदों ने चुनाव कराने संबंधी 28 अगस्त के आदेश को रद करने की मांग करते हुए कहा कि एमसीडी समेत अन्य प्रतिवादियों को नए सिरे से चुनावों की तारीख की घोषित करने को कहा, ताकि नामांकन दाखिल करने के लिए सभी को पर्याप्त समय मिल सके।

याचिका में कहा कि प्रत्येक प्रत्याशी को नामांकन दाखिल करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए क्योंकि उनका मौलिक अधिकार है। याचिका में कहा गया है कि नामांकन दाखिल करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिए जाने के कारण उम्मीदवार उचित प्रक्रिया को पूरा नहीं कर सकेंगे।

याचिका में यह भी कहा कि आप पार्षद प्रेम चौहान बीमार है और ऐसे में कम समय दिए जाने से वह इस चुनाव में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। इसलिए जरूरी है कि पूरी चुनाव प्रक्रिया को नए सिरे से घोषित किया जाए।

चार सितंबर को होगा चुनाव

वहीं, याचिकाकर्ता तिलोतमा चौधरी ने कहा कि वह शहर से बाहर हैं और अगर चुनाव हुआ तो वह इसमें हिस्सा नहीं ले पाएंगी। एमसीडी ने 28 अगस्त को वार्ड कमेटियों के चुनावों की घोषणा की थी। इसके तहत 30 अगस्त तक नामांकन किए जाने हैं और चार सितंबर को इस पर चुनाव होगा।

पाकिस्तान को चटाई थी धूल, 90 साल की उम्र में ली आखिरी सांस; कौन थे एयर मार्शल डेंजिल कीलर ?

परिवहन विशेष न्यूज

1965 के योद्धा नायक एयर मार्शल डेंजिल कीलर अब इस दुनिया में नहीं रहे हैं। 90 साल की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली। डेंजिल कीलर ने 1965 के युद्ध में पाकिस्तान को धूल चटाई और वीर चक्र दिया गया था। वे लंबे समय से गुरुग्राम के पालम विहार में रहते थे। पढ़िए उनके बारे में सब कुछ।

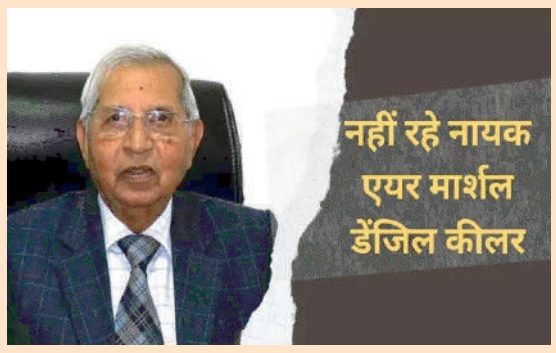

गुरुग्राम। सन्1965 की लड़ाई में पाकिस्तान को धूल चटाने वाले वीर चक्र विजेता एयर मार्शल (रिटा.) डेंजिल जोसेफ कीलर का बुधवार शाम निधन हो गया। वह 90 साल के थे। उनका जन्म 1933 में उत्तर प्रदेश के लखनऊ में हुआ था।

वह लंबे समय से परिवार सहित गुरुग्राम के पालम विहार इलाके में रह रहे थे। उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार दोपहर तीन बजे दिल्ली कैंट के शमशान स्थल पर सैनिक सम्मान के साथ किया जाएगा। अंतिम संस्कार से पहले कनॉट प्लेस स्थित चर्च में सुबह 11 बजे से प्रार्थना सभा आयोजित की जाएगी।

डेंजिल जोसेफ कीलर के छोटे भाई ट्रेवर कीलर भी एयर फोर्स में थे। उन्होंने भी पाकिस्तान के खिलाफ 1965 की लड़ाई में विशेष भूमिका निभाई थी। उस समय दोनों की पहचान एयर फोर्स में लड़ाकू पायलट भाइयों के रूप में थी।

डेंजिल जोसेफ कीलर छह नवंबर 1954 को एयर फोर्स में शामिल हुए थे। उन्होंने 1965 एवं 1971 की लड़ाई में खासकर 1965 की लड़ाई में नायक जैसी भूमिका निभाई थी। वह फाइटर पायलट की भूमिका में थे। उन्होंने 1965 की लड़ाई में पाकिस्तानी लड़ाकू विमान सेबर जेट को मार गिराया था। इससे पाकिस्तान की हालत काफी पतली हो गई थी। कुछ ही दिनों की लड़ाई में पाकिस्तान ने घुटने टेक दिए थे।

घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे डेंजिल जोसेस

डेंजिल जोसेफ कीलर ने 1971 की लड़ाई में भी उन्होंने हिस्सा लिया था। जीत के बाद बांग्लादेश का जन्म हुआ था। उस समय वह ग्रुप कैप्टन थे। बताया जाता है कि मार्च 1978 में कीलर काफी ऊंचाई पर टाइप 77 विमान उड़ा रहे थे। उसी दौरान छतरी उड़ गई थी। उस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

उनके लिए विमान को संभालना काफी चुनौतीपूर्ण कार्य था लेकिन वह सफलतापूर्वक विमान को वापस बेस पर ले आए थे। उनकी आंखों में भी काफी दिक्कत आ गई थी। इसके अलावा भी कई बार उन्होंने विमान की आपातकालीन लैंडिंग सफलतापूर्वक बेस पर कराई थी। उनकी पहचान एक कुशल पायलट के रूप में भी थी।

पाकिस्तानी फौन ने बंदी बनाने का किया था प्रयास

डेंजिल जोसेफ कीलर के पोते करण कीलर कहते हैं कि उनके दादाजी हमेशा 1965 एवं 1971 की लड़ाई की चर्चा किया करते थे। वह कहते थे कि पूरी दुनिया में भारतीय सेना से अनुशासित सेना कहीं नहीं। रेजांग-ला युद्ध स्मारक के संयोजक मेजर (डा.) टीवी राव कहते हैं कि 1971 की लड़ाई में पाकिस्तानियों ने डेंजिल जोसेफ कीलर के विमान को शूट कर दिया था। पाकिस्तानी फौज ने बंदी बनाने का प्रयास किया था। उससे पहले ही सात कुमाऊं रेजिमेंट के कमांडोज ने उन्हें अपने घेरे में ले लिया था।

वह इतने जांबाज थे कि कुछ ही दिनों बाद फिर से एयर फोर्स में अपनी ड्यूटी पर तैनात हो गए थे। सेवानिवृति के बाद वह रेजांग-ला युद्ध स्मारक के अधिकतर समारोह में बढ़-चढ़कर भाग लेते थे। उनकी उपस्थिति मात्र से लोगों में जोश भर जाता था। जब तक वह एयर फोर्स में रहे उनके नाम से पाकिस्तानी फौज के होश उड़े रहे।

आठ हजार लोगों से 88 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी! BJP के सोशल मीडिया प्रमुख को भी लगा 21 लाख का चूना

नोएडा। एलइडी विज्ञापन के माध्यम से दुकानदारों से 1.10 लाख निवेश कराकर 10-15 हजार प्रतिमाह मुनाफा देकर धोखाधड़ी मामले में आठ हजार लोगों से 88 करोड़ की धोखाधड़ी होने का अंदेशा है। भाजपा सोशल मीडिया व आईटी विभाग प्रमुख ताखा मंडल इटावा के साथ भी साढ़े 21 लाख रुपये की धोखाधड़ी हुई है।

मुनाफा का झांसा देकर की गई धोखाधड़ी

पीड़ित की शिकायत पर फेज वन थाने में 16 के खिलाफ धोखाधड़ी, न्यास भंग के नियमों का दुरुपयोग व धमकी देने की धाराओं में मुकदमा दर्ज है। पुलिस आयुक्त गौतमबुद्ध नगर मामले की जांच करा रही हैं। सुखवेंद्र सिंह ने बताया कि दिसंबर 2023 में जुड़ने पर कंपनी में साढ़े 21 लाख रुपये का निवेश किया था। निवेश के एवज में धनराशि प्राप्त नहीं होने पर शिकायत की गई थी।

शिकायत के दौरान हजारों लोगों के रुपये फंसे होने के बारे में पता चला था। उन्होंने जून 2024 में डीसीपी नोएडा, फेस वन थाना पुलिस व अन्य अधिकारियों से शिकायत की थी, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई थी। सेक्टर 20 थाना के एक दारोगा ने भी शिकायत में अड़ंगा डाला।

कंपनी की ओर से धनराशि लौटाने में बाधा का काम किया जबकि दारोगा को पीड़ितों की मदद करनी चाहिए थी। इसी के चलते कंपनी पदाधिकारियों के हौसले बुलंद हैं। उन्होंने कंपनी पदाधिकारियों व स्टाफ के चंगुल में आठ हजार से ज्यादा लोगों के फंसे होने की आशंका जताई है। पीड़ितों ने बताया कि कंपनी पदाधिकारियों व स्टाफ की ओर से पंजीकृत होने की जानकारी दी गई थी।

डिस्ट्रीब्यूटर के माध्यम से कंपनी से जुड़े

कंपनी की ओर से निवेशकों का विश्वास जीतने के लिए प्रचार प्रसार भी किया गया। इसी झांसे में आकर निवेशक निवेश कर रहे हैं। निवेशक 1.10 लाख से लेकर कई स्लाट के आधार पर निवेश कर रहे हैं। सुखवेंद्र सिंह ने बताया कि वह कंपनी से दिसंबर 2023 में डिस्ट्रीब्यूटर के माध्यम से जुड़े थे। अपने साथ 16 से ज्यादा जानकारों को निवेश कराया था।

शुरुआत में दो दिन माह तक किराये के नाम पर धनराशि प्राप्त हुई। इस बीच कंपनी प्रतिनिधियों की ओर से भी एलइडी व निवेश धनराशि मुनाफा प्राप्त होने को लेकर भी फीडबैक लिया था। उसके बाद धनराशि प्राप्त नहीं होने पर शिकायत करने पर टरकाया गया।

निवेशकों की ओर से आइजीआरएस पर शिकायत की गई तो कंपनी पदाधिकारियों ने पुलिस के माध्यम से गठजोड़ कर प्राप्त की आख्या सभी शिकायतों के निस्तारण में लगा दी।

मध्य प्रदेश में 2022 में 200 लोगों से तीन करोड़ ठगे

सुखवेंद्र सिंह ने बताया कि मध्य प्रदेश में इसी तरह वर्ष 2022 में 200 लोगों से तीन करोड़ रुपये की ठगी थी। वहां ठगी करने वाले कंपनी में आरोपित विनोद जाटव उर्फ अनुज है।

नोएडा में फिर गरजा प्राधिकरण का बुलडोजर, अवैध दुकानों पर हुई कार्रवाई; दी गई कड़ी चेतावनी

नोएडा प्राधिकरण ने जिले के सेक्टर-76 स्थित आम्रपाली प्रिंसले सोसायटी के बाहर बड़े पैमाने पर किए गए अतिक्रमण (बुलडोजर कार्रवाई) को हटा दिया है। इस कार्रवाई में चार जेसीबी 50 से अधिक कर्मचारी और भारी पुलिस बल शामिल था। इस दौरान लोगों ने कार्रवाई का विरोध भी किया। प्राधिकरण ने चेतावनी दी है कि दोबारा यहां दुकानें लगाई तो एफआईआर दर्ज होगी।

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर सेक्टर-76 स्थित आम्रपाली प्रिंसले सोसायटी के बाहर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण कर दुकानों का संचालन किया जा रहा था, जिसे बृहस्पतिवार को वर्क सर्किल-6 की टीम ने हटा दिया। दोपहर बाद तक सर्किल अधिकारी की अगुवाई में कार्रवाई जारी रही। इसमें चार जेसीबी, 50 से अधिक कर्मचारियों के साथ भारी पुलिस बल शामिल रहा।

हालांकि इस कार्रवाई के विरोध में कुछ लोगों ने अपना आक्रोश प्रकट किया, लेकिन मौजूद पुलिस बल के आगे उनके एक न चली। बता दें कि यहां पर लगातार सोसायटी के निवासियों की ओर से प्राधिकरण में शिकायत मिल रही थी कि देर रात तक यहां पर दुकानों का संचालन होता है। इससे काफी परेशानी होती है।

50 से ज्यादा दुकानों को किया गया ध्वस्त

ऐसे में प्राधिकरण ने टीम बृहस्पतिवार को सोसाइटी के बाहर लग रहे अवैध बाजार को ध्वस्त करने पहुंची। इसमें अवैध रूप से बना ढाबा और करीब 50 से ज्यादा दुकानों को ध्वस्त किया गया। डंपर में रेहड़ी ठेली समेत सामान को रख कर जब्त किया। इसके बाद तोड़फोड़ टीम अंतरिक्ष गोल्फ व्यू-1 सोसायटी पहुंची। यहां से भी 40 दुकानों को हटाया।

अतिक्रमणकर्ताओं को चेतावनी दी कि दोबारा यहां दुकानें लगाई तो एफआइआर दर्ज होगी। वर्क सर्किल छह वरिष्ठ प्रबंधक केबी सिंह ने बताया कि लगातार मिल रही शिकायत के बाद ये कार्रवाई की गई है।

सर्किल में जितनी भी सोसायटी है सभी स्थानों पर इस तरह का अभियान लगातार चलाया जाएगा। इस मौके पर जितने भी जगह पर रैंप पर अवैध कब्जा मिला, उसे हटाया गया।

'मैं बुलडोजर चलाऊंगा, चाहे मुझे फांसी क्यों न हो जाए', आखिर क्यों भड़के BJP विधायक नंद किशोर गुर्जर?

गाजियाबाद के लोनी विधानसभा सीट से बीजेपी विधायक नंद किशोर गुर्जर ने रेप की घटना को लेकर अपने ही सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि कमिश्नरेट सिस्टम लागू होने के बाद से अपराध में वृद्धि हुई है। अगर एक हफ्ते के भीतर रेप के आरोपी के घर नहीं ढहाए गए तो वह खुद बुलडोजर लेकर निकलेंगे चाहे उन्हें फांसी क्यों न हो जाए।

गाजियाबाद। गाजियाबाद जिले के लोनी विधानसभा सीट के बीजेपी विधायक नंद किशोर गुर्जर ने रेप की घटना को लेकर अपने ही सरकार पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि जब से यहां कमिश्नरेट सिस्टम लागू हुआ है, तब से अपराध में बतहाशा वृद्धि हुई है। लोनी में लूट मची हुई है। उन्होंने पुलिस-प्रशासन पर भी जमकर भड़ास निकाली। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर एक हफ्ते के भीतर रेप के आरोपी के घर नहीं ढहाए गए तो वह खुद बुलडोजर लेकर निकलेंगे, फिर चाहे उन्हें जेल ही क्यों ना जाना पड़े।

नंद किशोर गुर्जर ने कहा कि लव जिहाद के नाम पर पहले नाबालिग लड़की से ओयो होटल में रेप किया गया। इसके बाद जेल से छूटने पर आरोपी ने कई गुंडों के साथ मिलकर पीड़िता को धमकाया। उन्होंने कहाकि आरोपी रोहिंग्या और बांग्लादेशियों के साथ पीड़िता के घर गया और उसके परिवार के साथ मारपीट की। उन्होंने एक वीडियो जारी कर पुलिस पर जमकर निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि जिले में लूट मची है, रोहिंग्या हमारी बेटियों की

इज्जत लूट रहे हैं, लेकिन पुलिस अपने-अपने दफ्तरों में बैठे हुए हैं। अगर इनसे हमें ही लड़ना है तो पुलिस की जरूरत क्या है?

कमिश्नरी सिस्टम ने बेड़ा गर्क किया: नंद किशोर गुर्जर

उन्होंने कहा कि लोनी में ये हालत हो गई है कि यहां घरों में घुसकर लूटपाट की जा रही है। पूरे गाजियाबाद में चेन छीनना, लूटना, चोरी और कत्ल करना अब आम बात है। हम चाहते हैं कि कमिश्नरेट सिस्टम खत्म किया जाए और दोबारा से कप्तान सिस्टम लागू हो। पहले यहां क्राइम नहीं था। पिछले दो साल में कमिश्नरी सिस्टम में बेड़ा गर्क कर दिया। आम लोगों की कोई सुनने वाला नहीं है।

सरकार आरोपी के घर चलाए बुलडोजर: नंद किशोर गुर्जर

नंद किशोर गुर्जर ने चेतावनी दी और कहा कि लोनी की हर महिला और मेरी बहन और बेटी है। अगर किसी के दुराचार हुआ है तो ये मेरे लिए डूब मरने की बात है। पुलिस के कान बंद हैं। जो बड़े अधिकारी ये सोच रहे हैं कि वो यहां वायसराय बनकर हाहाकार करेंगे। तो लोनी में ये नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अगर यहां बुलडोजर नहीं चला तो मैं खुद बुलडोजर लेकर निकलूंगा, चाहे मुझे इसके लिए जेल ही क्यों न जाना पड़े। या फिर सरकार खुद आरोपी के घर पर बुलडोजर चलाए।

आरक्षण खत्म करने की बात कौन करेगा?

अशोक मधुप

प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में आरक्षण को लेकर कर्नाटक सरकार ने यूटर्न ले लिया है। सरकार ने पहले सी और डी कैटेगरी की प्राइवेट नौकरियों में स्थानीय लोगों को आरक्षण देने की बात कही थी। फिलहाल, आरक्षण के उस फैसले पर रोक लगा दी गई है।

दलित और पिछड़े युवाओं के उत्थान के लिए लाया गया आरक्षण अब सत्ता में पहुंचने माध्यम बनता जा रहा है। अलग-अलग राज्य में राजनैतिक दल जहां आरक्षण को अपने हिसाब से अदल-बदल रहे हैं, वही प्राइवेट सेक्टर में भी आरक्षण लागू करने की कोशिश हो रही है। कुछ राज्यों ने अपने यहां ये आरक्षण लागू किया पर वहां के हाईकोर्ट ने उसे अवैध बताते हुए रोक लगा दी, पर ये कोशिश जगह-जगह जारी है।

सर्वोच्च न्यायालय की सात न्यायधीश की संविधान पीठ आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने की बात की तो विपक्ष ने राजनैतिक लाभ उठाने के लिए इसका विरोध शुरू कर दिया। हांलाकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आश्वस्त कर चुके हैं कि आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू नहीं होगा, इसके बावजूद आरक्षण समर्थक राजनैतिक दलों ने इसके विरूद्ध आंदोलनरत हैं। अभी वे भारत बंद का आह्वान कर ही चुके हैं। इससे पहले कर्नाटक में प्राइवेट नौकरी में स्थानीय के लिए शत प्रतिशत आरक्षण को लागू करने पर खड़ा हो गया। हांलाकि प्रदेश कैबिनेट में पास किया गया ये कानून विरोध को देखते हुए ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है, पर खत्म नहीं किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा है कि अगली कैबिनेट की बैठक में इस पर फिर विचार होगा।

हाल के लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के आते-आते प्रचार आरक्षण पर आकर सिमट गया। भाजपा नेता अपने भाषणों में दावा कर रहे है कि हम देश में मुस्लिम आरक्षण लागू नही होने देंगे। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी सभाओं में मुस्लिम आरक्षण पर चिंता जाहिर कर रहे हैं। वह कह रहे हैं कि सत्ता में आते ही इंडिया गठबंधन दलित और पिछडों का आरक्षण काटकर मुस्लिमों को दे देगा। वे देश का विभाजन करवा देंगे। इस पर कुछ बड़े नेता तो चुप्पी साधे है किंतु समाजवादी पार्टी के सांसद एसटी हसन ने एक बयान में कहा है कि इंडिया गठबधंन के सत्ता में आते ही संविधान में संशोधन कर मुस्लिमों को सरकारी सेवाओं में आरक्षण दिया जाएगा।

देश को आजाद हुए 75 साल से ज्यादा हो गए। आजादी के बाद दलित समाज को विकास की धारा में शामिल करने के लिए दस साल के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई थी। आज ये आरक्षण राजनेताओं को सत्ता में पंहुचने का माध्यम नजर आने लगा है, वे इसे बढ़ाने की बात कर रहे हैं। खत्म करने की नहीं। किसी को यह सोचने की फुरसत नही कि आरक्षण की मार से बचने के लिए देश के प्रतिभाशाली युवा आज विदेशों में जाकर शिक्षा ले रहे है। शिक्षा पूरी कर वहीं नौकरी या व्यवसाय कर चुने गए देश के विकास में योगदान कर रहे हैं। भारत के बाहरर जाकर बसी भारत की मेधा से प्रभावित होते देश के विकास पर किसी को सोचने का समय नहीं।

प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में आरक्षण को लेकर कर्नाटक सरकार ने यूटर्न ले लिया है। सरकार ने पहले सी और डी कैटेगरी की प्राइवेट नौकरियों में स्थानीय लोगों को आरक्षण देने की बात कही थी। फिलहाल, आरक्षण के उस फैसले

पर रोक लगा दी गई है। कैबिनेट ने फैसला स्थगित कर दिया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्राइवेट सेक्टर में कन्नड़ लोगों को 100 फीसदी आरक्षण देने को लेकर सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट की थी। अपनी इस पोस्ट में उन्होंने कहा, हम कन्नड़ समर्थक सरकार हैं। सरकार के इस फैसले का चौतरफा विरोध होने पर इस पर रोक लगा दी गई। सरकार का कहना है कि इस बिल पर वह पुनर्विचार करेगी। देश में यह पहला ऐसा मामला नहीं है।

कर्नाटक से पहले प्राइवेट सेक्टर में स्थानीय लोगों को आरक्षण देने के लिए आंध्र प्रदेश और हरियाणा में कोशिश की गई थी. वहीं, मध्य प्रदेश में भी सरकार ने ऐसा ही कहा था, लेकिन यह कोशिश रंग नहीं ला पाई थी। 2019 में आंध्र प्रदेश में पहली बार ऐसा कोई कानून बना था जहां 75 प्रतिशत स्थानीय लोगों को प्राइवेट नौकरियों में आरक्षण देने की बात कही गई थी। पर हाईकोर्ट ने इसे असंवैधानिक बताते हुए रद्द कर दिया था। फिलहाल, ये मामला सुप्रीम कोर्ट में है।

महाराष्ट्र में 2019 में शिवसेना-कांग्रेस और एनसीपी के गठबंधन की सरकार बनने के बाद प्राइवेट नौकरियों में स्थानीयों को 80 प्रतिशत नौकरियां देने का प्रस्ताव लाया गया था। सरकार सरकार इसे विधानसभा में भी लाना चाहती थी। लेकिन इसे लाया नहीं गया। कर्नाटक में कई बार प्राइवेट जॉब में कन्नड़ों के लिए आरक्षण तय करने की कोशिश हो चुकी है। सिद्धारमैया सरकार में ये तीसरी बार है जब ऐसी कोशिश हो रही है। इससे पहले 2014 और 2017 में भी सरकार कोशिश कर चुकी है। वहीं अक्टूबर 2020 में येदियुरप्पा की अगुवाई में बीजेपी सरकार ने प्राइवेट नौकरियों में ग्रुप सी और डी में 75 प्रतिशत आरक्षण स्थानीयों को देने का ऐलान किया था। हालांकि, ये लागू नहीं हो सका था।

हरियाणा में 2020 में तब की मनोहर लाल खट्टर की सरकार ने प्राइवेट नौकरियों में स्थानीयों को 75 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए कानून पास किया था। हाईकोर्ट ने पिछले साल नवंबर में इस कानून को रद्द कर दिया। झारखंड में दिसंबर 2023 में हेमंत सोरेन की सरकार ने सरकारी नौकरियों की ग्रुप तीन और चार में स्थानीयों को 100 प्रतिशत आरक्षण देने के मकसद से बिल पास किया था। ये बिल विधानसभा में पास हो गया था, लेकिन गवर्नर ने इसे लौटा दिया था।

आज के हालात का निष्कर्ष ये है कि प्रत्येक दल आरक्षण की सीढ़ी से सत्ता में पंहुचने के प्रयास में लगा है। उसे उससे वास्ता नही कि आरक्षण की जद में आने वाली प्रतिभांए इसे लेकर क्या सोचती हैं? 2012 में केंद्र सरकार प्रमोशन में आरक्षण का बिल ला चुकी है। संसद में बिल रखे जाने के दौरान एक सांसद द्वारा मंत्री से छीन कर बिल की प्रति फाड़ दिए जाने के कारण ये अटक गया। नही तो प्रमोशन में भी आरक्षण लागे हो चुका होता।

अब क्रीमीलेयर तै करने के बारे में सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ के आंदेश को वे ही ठेंगा दिखाने को तैयार हैं जो अब तक इससे लाभ लेते रहे हैं। आरक्षण का लाभ उठा चुके उच्च स्थिति में पंहुचने वाले ही विकास की धारा से वंचित अपनी जाति वालों के लिए आरक्षण का लाभ छोड़ने को तैयार नही हैं।

आज हालत यह है कि सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ आदेश करे या कोई अन्य मांग हो, आरक्षण को कम करने को कोई राजनैतिक दल छोड़ने को तैयार नही। कोई इसके खत्म करने की बात नही कर रहा। सब बढ़ाने की बात कर रहे हैं। आरक्षण के दायरे से बाहर की जाति और उसे युवा ये सब देख रहे हैं। अभी हाल में यूपीएससी में लेटरल एंट्री को लेकर हुए बवाल ने बाद सरकार ने 45 पदों पर लेटरल एंट्री का प्रस्ताव वापस लेना पड़ा। विपक्ष का कहना था कि सरकार आरक्षण खत्म करने की कोशिश कर रही है। विपक्ष आरोप लगा रहा है, सरकार अपनी छवि बचाने को बार-बार पीछे हटती जा रही है। ऐसे में आरक्षण से बाहर रह रही युवा पीढ़ी के भविष्य की किसी को चिंता नहीं। आरक्षण समर्थक कोई नेता और राजनैतिक दल ये नही सोच रहा कि ये आरक्षण से बाहर रहे युवा उनके बारे में क्या विचार और सोच बना रहे हैं?

– :सौजन्य :–
ईवी ड्राइव द फ्यूचर
EV Drive the Future

ऑटो और ई-रिक्शा चालकों की अनिश्चितकालीन हड़ताल का तीसरा दिन

परिवहन विशेष न्यूज

रांची के 20 किलोमीटर के दायरे में ऑटो चलाने के नियमों में बदलाव के विरोध में ऑटो और ई-रिक्शा चालकों की अनिश्चितकालीन हड़ताल का आज गुरुवार, 29 अगस्त को तीसरा दिन है। ऑटो और ई-रिक्शा सड़क से गायब हो गए हैं। रांची के 12,500 ऑटो और ई-रिक्शा चालकों की अनिश्चितकालीन हड़ताल के कारण यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को आने-जाने में काफी परेशानी हो रही है। कई लोग पैदल ही अपने गंतव्य तक जा रहे हैं, जबकि कुछ लोग ओला, रैपिडो आदि का सहारा ले रहे हैं।

दरअसल, रांची की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए शहर के 20 किलोमीटर के दायरे में ऑटो चलाने के नियमों में बदलाव किया गया है। ट्रैफिक पुलिस ने ऑटो परिचालन के रूट को चार जोन में बांटकर 3-3 किलोमीटर का दायरा बनाया है, जिसके विरोध में 10 हजार से अधिक ऑटो और 2500 ई-रिक्शा चालक मंगलवार 27 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं।

झारखंड प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी ने बताया कि ऑटो चालक खुद सड़कों पर उतरकर ऑटो का परिचालन बंद कर रहे हैं। ऑटो चालक महासंघ के अनुसार पहले ऑटो चालक 17 किलोमीटर के दायरे में परिचालन करते थे, लेकिन नए नियमों में सिर्फ 3 किलोमीटर के दायरे में ही ऑटो परिचालन की अनुमति दी गई है, जो किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है। ऑटो चालकों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक किसी भी रूट पर ऑटो और ई-रिक्शा का परिचालन नहीं होगा।

एनएच-9 के बाद अब हापुड़ रोड पर भी नहीं चलेंगे ई-रिक्शा, एक सितंबर से लागू होगी नई व्यवस्था

परिवहन विशेष न्यूज

एनएच-9 के बाद अब हापुड़ रोड पर भी ई-रिक्शा का संचालन बंद हो जाएगा। इसके लिए पुलिस ने पूरा खाका तैयार कर लिया है। यह नियम एक सितंबर से लागू हो जाएगा। पुलिस ने यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है।

कम स्पीड के कारण ई-रिक्शा मुख्य मार्ग पर यातायात में व्यवधान पैदा कर रहे हैं। इसी कारण पुलिस ने एनएच-9 पर ई-रिक्शा के प्रवेश पर रोक लगा दी है, अब हापुड़ रोड पर भी ऐसा करने की तैयारी है। पुलिस कमिश्नर अजय मिश्रा ने बताया कि एक सितंबर से पुराने बस अड्डे से डासना आरओबी के बीच ई-रिक्शा का संचालन बंद करने का निर्णय लिया गया है। इससे हापुड़ रोड पर यातायात सुचारू हो सकेगा। वैसे भी भारी ट्रैफिक के कारण हापुड़ पर ई-रिक्शा का संचालन सुरक्षित नहीं है। एक सितंबर से हापुड़ रोड पर ई-रिक्शा का प्रवेश प्रतिबंधित कर दी जाएगी।

पुलिस कमिश्नर अजय मिश्रा ने बताया कि हापुड़ रोड के कनेक्टिंग रोड पर ई-रिक्शा चलते रहेंगे, लेकिन हापुड़ रोड पर पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए लोगों को ऑटो या बस का सहारा लेना पड़ेगा। गलियों से हापुड़ रोड पर आने के लिए ई-रिक्शा का इस्तेमाल किया जा सकता है, हालांकि नए बस अड्डे से पुराने नए बस अड्डे के बीच ई-रिक्शा का संचालन जारी रखने का फैसला लिया गया है। पुलिस लगातार इस कोशिश में लगी हुई है कि शहर के यातायात को कैसे सुचारू रखा जाए।

पुलिस कमिश्नर अजय मिश्रा ने बताया कि ई-रिक्शा चालकों और आम जनता को

जागरूक करने के लिए ट्रैफिक पुलिस तीन दिन तक जागरूकता अभियान चलाएगी। उन्हें बताया जाएगा कि एक सितंबर से हापुड़ रोड पर ई-रिक्शा का संचालन बंद कर दिया जाएगा। जागरूकता से नई व्यवस्था को लागू करने में आसानी होगी और लोग इसके लिए पहले से तैयार रहेंगे। इसके लिए जिला पुलिस को ई-रिक्शा चालकों से समन्वय स्थापित कर नई व्यवस्था के बारे में जागरूकता फैलाने के निर्देश दिए गए हैं। ई-रिक्शा चालकों को बताया जाए कि हापुड़ रोड के दोनों ओर 50 मीटर तक ही संचालन की अनुमति होगी।

एडीसीपी पीयुष सिंह ने बताया कि नो एंट्री जोन में ई-रिक्शा आने पर ट्रैफिक पुलिस उसे सीज करने की कार्रवाई करेगी। फिलहाल एनएच-9 पर ऐसी कार्रवाई की जा रही है। एक सितंबर से पुराने बस स्टैंड से डासना आरओबी के बीच हापुड़ रोड पर कोई भी ई-रिक्शा चलता मिला तो उसे सीज करने की कार्रवाई की जाएगी। नो एंट्री जोन में ई-रिक्शा को सड़क किनारे खड़ा नहीं होने दिया जाएगा।

एडीसीपी पीयूष सिंह ने बताया कि हापुड़ रोड शहर की मुख्य सड़क है। इस सड़क पर रोडवेज और पब्लिक बसों का संचालन होता है। मुर्शिदाबाद, रामपुर, बरेली और हल्द्वानी, नैनीताल की ओर जाने वाली रोडवेज बसें इसी सड़क पर संचालित होती हैं, ऐसे में ई-रिक्शा के संचालन से हादसों का खतरा बना रहता है और ई-रिक्शा कई सड़कों पर जाम का कारण भी बन रहे हैं। इसलिए हापुड़ रोड पर धीमी गति से चलने वाले ई-रिक्शा का संचालन बंद करने का निर्णय लिया गया है।

थाईलैंड में होंडा सीटी125 दो नए कलर ऑप्शन में हुई लॉन्च, कीमत में नहीं किया गया इजाफा

परिवहन विशेष न्यूज

Honda ने अपनी पॉपुलर बाइक CT125 को थाईलैंड बाजार में नए कलर स्कीम में लॉन्च किया है। जिन दो नए कलर ऑप्शन में इसे लॉन्च किए गए हैं वो पर्ल स्मोकी ग्रे और पर्ल शुगरकेन बेज है। यह एक सिटी बाइक है जिसका इस्तेमाल कुछ राइडर्स लंबी दूरी के लिए भी करते हैं। आइए जानते हैं कि किन फीचर्स के के साथ आती है।

नई दिल्ली। होंडा ने अपनी पॉपुलर छोटी डिस्प्लेसमेंट मोटरसाइकिल CT125 को नए कलर ऑप्शन में पेश किया है। इस बाइक को कम पावर लेकिन वर्सेटाइल और व्यावहारिक प्रकृति के लिए जाना जाता है। यह भारत ही नहीं, बल्कि थाईलैंड जैसे दक्षिण पूर्व एशियाई बाजारों में काफी पॉपुलर है। वहीं, इसे नए कलर स्कीम में थाईलैंड बाजार में पेश किया गया है। आइए जानते हैं इसके बारे में।

सिटी बाइक के रूप में बेहद पॉपुलर

होंडा CT125 एक सिटी बाइक है, लेकिन कुछ ऐसे राइडर भी हैं जो इसका इस्तेमाल लंबी दूरी तय करने के लिए करते हैं। जापानी कंपनी ने इसके टॉप बॉक्स और सैडल बैग जैसे कई लगेज ऑप्शन भी डेवलप किए हैं। अब इसे एक एम्बीशियस टू-व्हीलर ब्रांड के रूप में स्थापित किया है। यह काफी हल्की होने के साथ ही फ्यूल एफिशिएंसी भी है।

दो नए कलर ऑप्शन में आई

अपडेटेड होंडा CT125 को दो नए कलर ऑप्शन में पेश किया गया है, जो पर्ल स्मोकी ग्रे और पर्ल शुगरकेन बेज है। यह फुल-प्रोडक्शन मॉडल हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि होंडा ने CT125 को दो नए कलर ऑप्शन में पेश करने के बाद भी इसकी कीमत में बढ़ोतरी नहीं की है। जिसे देखते उम्मीद है कि इसकी बिक्री में बढ़ोतरी हो सकती है।

भारतीय खरीदारों को नहीं कर पर आकर्षित

CT125 जैसे टू-व्हीलर को भारतीय बाजार में नए और युवा खरीदारों को आकर्षित करने के लिए होंडा नवी के साथ ऐसा करने की कोशिश की थी। हालांकि, कंपनी यहां पर ऐसा करने में विफल रही। उसके बाद से होंडा इंडिया ने नई कॉन्सेप्ट के साथ प्रयोग नहीं किया है। ऐसी कई बाइक है जिसकी भारत में कीमत अधिक है, जिसकी वजह से भारतीय खरीदारों को इसे खरीदने पर विचार करने के लिए सोचना पड़ता है।

वीरा वाहना, एक्सपोनेंट एनर्जी ने 'दुनिया की पहली 15 मिनट की चार्जिंग वाली इंटरसिटी बस' की घोषणा की

परिवहन विशेष न्यूज

कंपनियों द्वारा जारी एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में एक्सपोनेंट एनर्जी के साथ साझेदारी में वीरा वाहना ने एक लंबी दूरी की इंटरसिटी इलेक्ट्रिक बस की घोषणा की है जो 15 मिनट में तेजी से चार्ज हो जाती है। एक्सपोनेंट द्वारा संचालित 'वीरा महासम्राट ईवी' दुनिया की पहली 2-एक्सल 13.5 मीटर इलेक्ट्रिक बस है।

विज्ञप्ति में कहा गया है "यह एक्सपोनेंट के 320 किलोवाट बैटरी पैक से सुसज्जित है, जो एक्सपोनेंट के 1MW चार्जिंग नेटवर्क के माध्यम से 15 मिनट की फास्ट चार्जिंग के साथ लगभग असीमित रेंज प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, 6,00,000 किमी या 3000 बैटरी जीवन चक्र की बैटरी वारंटी बेहतर वित्तपोषण विकल्पों और स्वामित्व में आसानी का मार्ग प्रशस्त करती है।"

कंपनियों ने दावा किया कि वीरा महासम्राट ईवी के साथ, बेड़े के मालिक आईसीई बस की तुलना में अपने परिचालन व्यय को 30% तक कम कर सकते हैं। "पहली बार, 15 मिनट की रैपिड चार्जिंग और राजमार्गों के साथ एक्सपोनेंट चार्जिंग नेटवर्क के साथ, बस ऑपरेटर अब लंबी दूरी के अंतर-शहर मार्गों पर इलेक्ट्रिक जा सकते हैं, बिना रेंज और लंबे चार्जिंग समय के बारे में चिंता किए।"

वर्तमान में दोनों कंपनियाँ बेंगलुरु-हैदराबाद मार्ग को विद्युतीकृत करने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। परिचालन का समर्थन करने के लिए, एक्सपोनेंट एनर्जी चार 1 मेगावाट चार्जिंग स्टेशन स्थापित करेगी - प्रत्येक एंडपॉइंट पर दो और राजमार्ग पर दो। विज्ञप्ति में कहा गया है, "इससे यह सुनिश्चित होगा कि बस ऑपरेटर स्टॉप की संख्या और प्रति स्टॉप डाउनटाइम के समान अनुभव के साथ आईसीई से इलेक्ट्रिक में सहजता से स्थानांतरित हो सकें।"

वीरा वाहन के प्रबंध निदेशक के. श्रीनिवास रेड्डी ने कहा, "आज, सीमित रेंज और लंबे चार्जिंग समय के कारण इलेक्ट्रिक बसें कम दूरी या इंट्रासिटी संचालन तक ही सीमित हैं। 600 किमी की रेंज देने के लिए एक बैटरी को पैकेज करना मुश्किल है और लंबे चार्जिंग समय के साथ - ग्राहक राजमार्ग पर एक घंटे तक इंतजार करने को तैयार नहीं हैं। आम तौर पर, डीजल बसें हर 300 किमी पर 15-20 मिनट के लिए रुकती हैं और एक्सपोनेंट के साथ हमारी अनूठी साझेदारी उसी अनुभव की नकल करती है। अब, बस ऑपरेटर वीरा महासम्राट ईवी के साथ सहजता से इलेक्ट्रिक पर स्विच कर सकते हैं और अपने संचालन में अधिक बचत कर सकते हैं!"

कंपनी का प्रौद्योगिकी स्टैक अपने मालिकाना ऑफ-बोर्ड थर्मल प्रबंधन प्रणाली का उपयोग करके अपने बीएमएस, चार्जिंग एल्गोरिदम और थर्मल प्रबंधन के माध्यम से प्रत्येक सेल की विशेषताओं का प्रबंधन करता है, जहाँ चार्जिंग स्टेशन इष्टतम तापमान बनाए रखने के लिए चार्ज करते समय बैटरी में सक्रिय रूप से शीतलक पंप करता है और इस प्रकार 50 डिग्री सेल्सियस तक के परिवेश के तापमान पर भी लगातार प्रदर्शन प्रदान करता है।

घोषणा पर टिप्पणी करते हुए एक्सपोनेंट एनर्जी के सह-संस्थापक और सीईओ अरुण विनायक ने कहा, "हम बस उद्योग में एक अनुभवी खिलाड़ी वीरा वाहना के साथ साझेदारी करके उत्साहित हैं, ताकि लंबी दूरी की इंटरसिटी बस सेगमेंट को वास्तव में विद्युतीकृत किया जा सके। हम टेस्ला और सीमेंस के बाद भारत में, भारत के लिए दुनिया की तीसरी 1 मेगावाट चार्जिंग तकनीक बनाने के लिए रोमांचित हैं। 15 मिनट की रैपिड चार्जिंग और एक्सपोनेंट नेटवर्क द्वारा दी गई स्वतंत्रता और पहुंच के साथ, हम पूरे भारत को इलेक्ट्रिक बनाने में सक्षम बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

2024 किआ कार्निवल दिल्ली एयरपोर्ट पर हुई स्पॉट, 3 अक्टूबर को होगी लॉन्च

भारतीय बाजार में जल्द ही 2024 Kia Carnival चौथी जनरेशन को 3 अक्टूबर को लॉन्च किया जाएगा। दरअसल हाल ही में 2024 किआ कार्निवल को दिल्ली एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया है।

नई दिल्ली। नई दिल्ली। 2024 Kia Carnival को दिल्ली एयरपोर्ट पर भारत में लॉन्च होने से पहले स्पॉट किया गया है। इसे कंपनी पिछले साल 2023 ऑटो एक्सपो में KA4 के रूप में पेश किया था। अब इसे भारत में 3 अक्टूबर 2024 को लॉन्च करने जा रही है। यह कई बेहतरीन फीचर्स से लैस है। आइए जानते हैं कि यह किन बेहतरीन खूबियों के साथ आती है।

2024 Kia Carnival: डिजाइन

2024 किआ कार्निवल को Kia की फ्लैगशिप SUV EV9 से प्रेरित होकर बनाई गई है, जिसे मॉडर्न डिजाइन दिया गया है। इसमें नया फ्रंट ग्रिल, वर्टिकल स्टैक्ड LED हेडलैंप और विशिष्ट L-आकार का LED DRLS दिए गए हैं। इसके पीछे की तरफ LED लाइट बार से जुड़े टेल लैंप दिए गए हैं।

2024 Kia Carnival: इंटीरियर

इसके इंटीरियर की बात करें तो इसके डैशबोर्ड को एक बड़े 12.3-इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, एक मैचिंग टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और रीडिज़ाइन किए गए क्लाइमेट कंट्रोल दिया गया है। साथ इसे हेड-अप डिस्प्ले यूनिट, डिजिटल रियर व्यू मिरर, एम्बिएंट लाइटिंग और फ्रंट और रियर डैश कैमरा सिस्टम जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसमें टिलेटेड और मसाज सीटें लगाई गई है।

2024 Kia Carnival: इंजन

2024 किआ कार्निवल को तीन इंजन ऑप्शन में पेश किया गया है। भारतीय बाजार में इसे 2.2-लीटर डीजल इंजन के साथ पेश किया जा सकता है, जो 201 hp की पावर और 440 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इसके इंजन को 8-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा गया है।

2024 Kia Carnival: कीमत

2024 किआ कार्निवल को भारतीय बाजार में बहुत ही कम गाड़ियों से मुकाबला करने के लिए मिलेगा। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 40 लाख रुपये से 45 लाख रुपये के बीच हो सकती है। भारत में इसका मुकाबला टोयोटा वेलफायर देखने के लिए मिलेगा, लेकिन इसकी एक्स-शोरूम कीमत 1.22 करोड़ रुपये है।

चार्जप्वाइंट ने चार्जर की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए एआई टूल किया लॉन्च

परिवहन विशेष न्यूज

चार्जप्वाइंट ने इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों के निदान और मरम्मत को बढ़ाने के उद्देश्य से एक अभूतपूर्व एआई-संचालित ड्राइवर सहायता उपकरण का अनावरण किया है। यह नवाचार ईवी चार्जिंग उद्योग में एआई के पहले उपयोग को चिह्नित करता है, जो चार्जिंग स्टेशनों के अपटाइम और विश्वसनीयता में काफी सुधार करता है। नया सॉफ़्टवेयर, जो चार्जप्वाइंट के मौजूदा बुनियादी ढांचे में सहजता से एकीकृत होता है, चार्जिंग स्टेशन की विश्वसनीयता को आगे बढ़ाने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है ।

मुख्य बातें:

ईवी चार्जिंग उद्योग में चार्जर संबंधी समस्याओं के निदान और मरम्मत के लिए पहला एआई-संचालित समाधान।

उपयोगकर्ता-अनुकूल इंटरफेस ड्राइवरों को चार्जप्वाइंट ऐप के माध्यम से फोटो सबमिट करके समस्याओं की रिपोर्ट करने की सुविधा देता है।

एआई सॉफ्टवेयर छवियों का विश्लेषण करता है और विसंगतियों की पहचान करता है, तथा समस्या को चालक के स्थान से जोड़ता है।

समस्याओं को चार्जप्वाइंट के नेटवर्क ऑपरेशन सेंटर तक पहुंचाया जाता है, जिससे साइट पर निरीक्षण की आवश्यकता कम हो जाती है और मरम्मत का समय भी कम हो जाता है।

ड्राइवरों के लिए ऐप में वास्तविक समय की मरम्मत स्थिति ट्रैकिंग उपलब्ध है। मरम्मत प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए स्टेशन मालिकों के लिए स्वचालित अलर्ट तैयार किए जाते हैं।

चार्जप्वाइंट के सीईओ रिक विल्मर ने इस प्रगति के महत्व पर जोर दिया ₹हार्डवेयर समस्याओं का निदान करने वाली एआई तकनीक को तैनात करके, चार्जप्वाइंट के पास स्टेशन अपटाइम सुनिश्चित करने के लिए हमारे नेटवर्क ऑपरेशंस सेंटर में शामिल होने वाला एक महत्वपूर्ण नया टूल है। यह तकनीक हमें उन भौतिक समस्याओं को प्राथमिकता देने और हल करने में सक्षम बनाएगी जिन्हें रिमोट मॉनिटरिंग के माध्यम से पता नहीं लगाया जा सकता है, जो एक विश्वसनीय चार्जिंग नेटवर्क प्रदान करने वाले नवाचारों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।₹

यह नई सुविधा ड्राइवरों को एक उन्नत ऐप इंटरफ़ेस के माध्यम से गैर-कार्यात्मक चार्जिंग स्टेशन के साथ किसी समस्या की आसानी से रिपोर्ट करने की अनुमति देती है। एक बार जब एआई सॉफ़्टवेयर समस्या की पहचान कर लेता है, तो यह तुरंत चार्जप्वाइंट की संचालन टीम को सूचना भेजता है, जिससे अक्सर भौतिक निरीक्षण की आवश्यकता समाप्त हो जाती है और मरम्मत का समय काफी कम हो जाता है । ऐप ड्राइवरों को मरम्मत की स्थिति को ट्रैक करने और स्टेशन के मालिक को स्वचालित रूप से सूचित करने की अनुमति देकर भी सूचित रखता है, जो अक्सर मरम्मत के लिए आवश्यक प्राधिकरण प्रक्रिया को गति देता है ।

चार्जप्वाइंट होल्डिंग्स, इंक. ईवी चार्जिंग समाधान का एक अग्रणी प्रदाता है, जो 2007 से एक विश्वसनीय और व्यापक चार्जिंग नेटवर्क बनाने के लिए समर्पित है। उनका अभिनव क्लाउड सदस्यता प्लेटफ़ॉर्म और सॉफ़्टवेयर-परिभाषित चार्जिंग हार्डवेयर उत्तरी अमेरिका और यूरोप में विभिन्न चार्जिंग आवश्यकताओं को पूरा करता है।

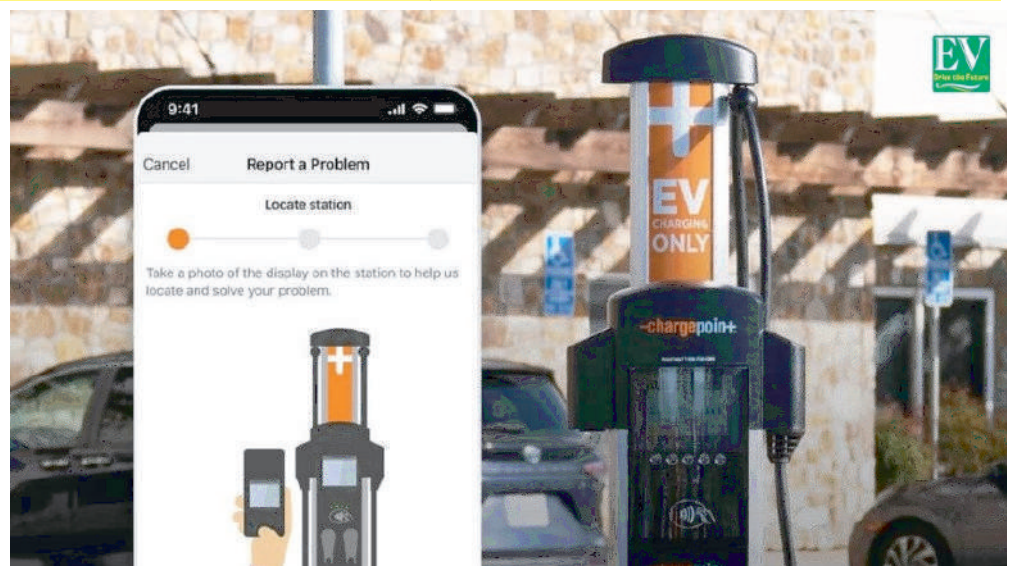

सिया राम मय सब जग जानी

सिद्धगुरु प्रमोद जी

हमने जितना समय सामने वाले की बात सुनने में लगाया, हमारा जीवन उतना गुजर गया, उतना कम हो गया, पर वह समय सार्थक हो गया क्योंकि सामने वाले को सहानुभूतिपूर्वक सुनने वाला मिल गया, उनका दिल हल्का हो गया। यह किसी तपस्या से कम नहीं है। सहज संन्यास में तो हम संन्यासियों की दिनचर्या का यह महत्वपूर्ण अंग ही है कि हम किसी का दुख बंटाएं, किसी की बात धीरज से सुनें, किसी का दर्द बांटें। यही भक्ति है, उपासना है और अध्यात्म की सीढ़ी भी है।

महाकाव्य रामचरित मानस के रचयिता भक्त शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास जी ने 'सिया राम मय सब जग जानी, करहु प्रनाम जोरी जुग पानी' कहकर हमें जो सीख दी है, उसे गहराई से समझने की आवश्यकता है, उसे टोटैलिटी में, समग्रता में समझने की आवश्यकता है। गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं कि इस जगत का हर प्राणी, और सिर्फ प्राणी ही नहीं बल्कि जगत की हर वस्तु भी परमात्मा का ही स्वरूप है। कण-कण में राम समाए हैं तो फिर जड़ हो या चेतन, यानी हर प्राणी और हर वस्तु में उसी परमात्मा का नूर है। जब हमने इसे सच मान लिया, जब हमने इसे जीवन में उतार लिया तो फिर हर चीज और हर प्राणी हमारे लिए परमात्मा ही है। यही कारण है कि तुलसीदास ने स्पष्ट किया है कि चूंकि सारा जग ही जनकसुता वैदेही माता सीता जी और त्रिलोकीनाथ सर्वेश्वर भगवान श्री रामचंद्र जी का ही स्वरूप है तो मैं इस जगत के हर प्राणी और हर वस्तु को दोनों हाथ जोड़ कर विनम्रता से और श्रद्धा से प्रणाम करता हूं। इसी तरह गुरु नानक देव जी ने कहा कि हमारा शरीर ही मंदिर है, हमारा कर्तव्य ही पूजा है और चढ़ावा चढ़ाने के लिए किसी पूजा स्थल पर जाने की आवश्यकता नहीं है। मैं जो कुछ करूं, वह परमात्मा को अर्पण करके करूं। 'सहज संन्यास मिशन' का आदर्श वाक्य 'कर करनी, कर जोड़ कर' भी इसी भाव को दर्शाता है। कर करनी, यानी जो भी करें, कर जोड़ कर करें, हाथ जोड़ कर करें, परमात्मा को नमस्कार करके करें, परमात्मा को अर्पित करके करें। संत रविदास जी ने क्या खूब ही कहा है कि 'मन चंगा, तो कठौती में गंगा', मन शुद्ध हो आपके बर्तन में पड़ा पानी भी साधारण नहीं रह जाता, वह गंगाजल जितना निर्मल और पवित्र हो जाता है।

दिन भर काम करते हुए हम इधर-उधर जाते हैं, वही परमात्मा की परिक्रमा है, मेरा हर काम परमात्मा की पूजा है। मैं ही परमात्मा हूं, और इस जगत का हर जीव-जंतु परमात्मा का ही अंश है। अब जब हर कोई परमात्मा का अंश है और मेरा हर काम परमात्मा की पूजा है तो मैं झूठ कैसे बोल सकता हूं, किसी को धोखा कैसे दे सकता हूं, फरेब कैसे कर सकता हूं? यही निष्काम कर्म है, यही सहज संन्यास है। वस्तुतः निष्काम कर्म ही सहज संन्यास है। सहज संन्यास की खासियत ही यही है कि इसके लिए हमें अपना धर्म बदलने की आवश्यकता नहीं है। हम किसी भी धर्म, संप्रदाय, मत को मानते हों, हमारे इष्ट देव कोई भी हों, उसे बदलने की जरूरत नहीं है। बदलना है सिर्फ अपना नजरिया, अपना जीवन, अपना लाइफस्टाइल। इससे ही सब बदल जाएगा। ऋषियों-मुनियों और मनीषियों ने दुनिया को माया कहा, जीवन को सपना कहा तो उनका मकसद यह समझाना था कि जन्म है तो मृत्यु भी है और कुछ भी स्थायी नहीं है, इसलिए समय का सदुपयोग करते हुए हमें जन-जन की सेवा करनी चाहिए और प्रेममय जीवन बिताना चाहिए। सिर्फ इतना ही मान लेना कि दुनिया माया है या जीवन सपना है, दरअसल अधूरा सच है। हम जीवित हैं, हमें एक शरीर मिला है और हम इस दुनिया में हैं, तो यह भी एक सच है, और इसे झुठलाया नहीं जाना चाहिए। दुनिया में रहकर दुनिया वालों से प्रेम करना, उनकी सेवा करना हमारा उद्देश्य होना चाहिए। जीवन का पाठ यही है। पूजा सिर्फ तभी पूजा है जब हम प्रेममय हो जाते हैं, देश, धर्म, जाति, लिंग, क्षेत्र की बात छोड़कर हर व्यक्ति से प्रेम करने लगते हैं, बिना कारण प्रेम करने लगते हैं, और व्यक्ति से ही नहीं, हर वस्तु से प्रेम करने लगते हैं, हर जड़-चेतन जीवन का सम्मान करने लगते हैं, बिना कारण, बिना लालच, बिना किसी डर के। यह जीवनशैली अपना लें तो मन हमेशा प्रसन्न-प्रफुल्लित रहता है। जब हम प्रेममय हो जाते हैं तो शिकायतें खत्म हो जाती हैं, किसी बात का गिला नहीं रह जाता, क्रोध नहीं रह जाता, पछतावा नहीं रह जाता, इन सबकी जगह कृतज्ञता का भाव आ जाता है, समर्पण का भाव आ जाता है, सेवा का भाव आ जाता है। इस तरह हम अध्यात्म की कई सीढ़ियां चढ़ जाते हैं

हम आध्यात्मिक होते हैं तो ब्रह्मांड से जुड़ जाते हैं, परमात्मा से जुड़ जाते हैं। दो-तीन छोटे-छोटे से नुक्ते हैं जिन्हें समझ लें तो जीवन आसान हो जाता है। मसलन, हमारी सबसे बड़ी जीत तब होती है जब हम खामोशी से उस व्यक्ति को सच्चे दिल से माफ कर दें जिसने हमें सबसे ज्यादा तकलीफ दी हो। इसी की आगे व्याख्या करें तो यह भी स्पष्ट होता है कि अगर हमें किसी दूसरे व्यक्ति को दुख में, तकलीफ में, परेशानी में, असफलता में या संघर्ष करते हुए देखकर खुशी मिलती हो तो यह भी एक प्रकार की हिंसा ही है। यह समझना बहुत जरूरी है कि कागज के टुकड़े करना सरल है, कपड़े के टुकड़े करना थोड़ा कठिन है, लोहे के टुकड़े करना काफी कठिन है, लेकिन सबसे ज्यादा कठिन अगर कुछ है तो वह है अपने अंदर जड़ें जमाए हुए अहंकार के टुकड़े करना। अहंकार को जीत लिया तो जीवन सादा हो गया, सरल हो गया, तरल हो गया, सब तरफ प्रेम बहने लगा और हम प्रेममय हो गए, बल्कि खुद ही प्रेम हो गए।

थोड़ा और आगे बढ़ें तो सवाल उठता है कि उपासना क्या है, भक्ति क्या है, आध्यात्मिकता क्या है? किसी की बात सुनना, ध्यान से सुनना, बिना किसी पूर्वाग्रह के सुनना तपस्या सरीखा है क्योंकि वह समय जो हम सामने वाले को देते हैं, वह हमारा जीवन है। हमने जितना समय सामने वाले की बात सुनने में लगाया, हमारा जीवन उतना गुजर गया, उतना कम हो गया, पर वह समय सार्थक हो गया क्योंकि सामने वाले को सहानुभूतिपूर्वक सुनने वाला मिल गया, उनका दिल हल्का हो गया।

यह किसी तपस्या से कम नहीं है। सहज संन्यास में तो हम संन्यासियों की दिनचर्या का यह महत्वपूर्ण अंग ही है कि हम किसी का दुख बंटाएं, किसी की बात धीरज से सुनें, किसी का दर्द बांटें। यही भक्ति है, उपासना है और अध्यात्म की सीढ़ी भी है। हमारे सामने एक समुद्र हो और हम उस समुद्र से एक बूंद पानी बाहर निकाल लें तो सिर्फ एक ही बूंद होते हुए भी उस बूंद में समुद्र का हर गुण मौजूद है। इसे समझ लें तो यह भी समझ आ जाता है कि परमात्मा घट-घट में व्याप्त है और हम उसी परमात्मा का अंश हैं, उसी समुद्र की एक बूंद हैं और हम में उस समुद्र के सभी गुण समाए हुए हैं, फिर यह समझना भी मुमकिन हो जाता है कि हम ही भगवान हैं। खुद परमात्मा भी इसी रूप में अभिव्यक्त है। मैं परमात्मा का प्रतिरूप हूं, मैं खुद ही परमात्मा हूं। जब हम कहते हैं कि मैं खुद ही परमात्मा हूं, 'अहम्ब्रह्मास्मि', तो यह स्वतः सिद्ध है कि हर दूसरा व्यक्ति भी, पेड़-पौधे भी, पशु-पक्षी भी, कीट-पतंगे भी और बाकी सब चीजें भी उसी परमात्मा का रूप हैं। बस इतना ही समझ में आ गया तो फिर हम खुद-ब-खुद यही तो कहेंगे कि सिया राम मय सब जग जानी, करहु प्रनाम जोरी जुग पानी।

संपादक की कलम से

'दीदी' की अग्नि-परीक्षा

यह बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अग्नि-परीक्षा का दौर है। बंगाली सम्मान से उन्हें 'दीदी' कहते रहे हैं, लिहाजा जवाब भी उन्हीं से मांग रहे हैं। 'दीदी' के खिलाफ आंदोलन-दर-आंदोलन जारी हैं। यह स्थिति तब है, जब दो माह पहले लोकसभा चुनाव में उनकी 'तृणमूल पार्टी' को 46 फीसदी वोट मिले और 42 में से 29 सीटें जीतीं। इस जनादेश की आड़ में आप नहीं छिप सकतीं, क्योंकि राज्य की युवा और छात्र शक्ति गुस्से और आक्रोश में है। प्रमुख विपक्षी पार्टी भाजपा का विरोध-प्रदर्शन और 12 घंटे का बंद भी आयोजित किया गया है और 3 सितंबर को वाममोर्चा का काडर सडक़ों पर उतरेगा। सभी की साझा मांग है कि ममता बनर्जी मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दें। कोई राजनीतिक गठबंधन नहीं हुआ है। 'दीदी' के संभ्रांत शहर कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में ड्यूटी कर रही ट्रेरनी डॉक्टर के साथ जो बर्बरता की गई और बाद में हत्या कर दी गई, उससे समूचा देश शर्मसार है। साझा आंदोलन का मुद्दा यही है। यह ममता बनर्जी की राजनीति का सबसे कठिन समय है, क्योंकि छात्रों, युवाओं और महिलाओं के समवेत आंदोलनों ने ही ममता को सडक़ से मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचाया था। आज ममता ऐसे ही आंदोलनों के युवाओं और छात्रों को 'गुंडा' करार दे रही हैं। बंगाल पुलिस ने आंदोलनकारियों पर लाठियां भांजी, पानी की तेज धार मारी, आंसू गैस के गोले दागे और बाद में हिरासत में भी बंद कर दिया। सचिवालय तक के रास्ते में 27 बैरिकेड्स स्थापित किए, 26 डीसीपी सरीखे वरिष्ठ अधिकारी तैनात किए, 6000 से ज्यादा पुलिसकर्मी और सुरक्षा बल के जवान तैनात किए। लोहे की दीवारें खड़ी की गईं, जिन पर तेल और ग्रीस मला गया। क्या कोई रणक्षेत्र सजा था? 'दीदी' ने किससे युद्ध करने को अपने जवान तैनात कराए थे? आंदोलनकारी 'नबन्ना सचिवालय' तक मार्च करना चाहते थे और डॉक्टर बिटिया के साथ 'रेप-मर्डर' की नृशंसता का न्याय मांग रहे थे। आंदोलन और शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन तो हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। आंदोलनकारियों ने कुछ पथराव किया, तो उनके मानसिक रोष को समझना चाहिए था। आंदोलन की ताकत इसी से समझी जा सकती है कि 80,000 से अधिक युवा और छात्र सडक़ पर आंदोलित हुए।

यह ममता बनर्जी की सत्ता के खिलाफ सामूहिक लहर का एक प्रमाण है। यह 2026 के जनादेश को भी तय कर सकता है। ममता-विरोधी आंदोलनों ने कोलकाता के बाहर और पश्चिम बंगाल के पार खासकर बंगालियों को जगा दिया है। ये उनके लिए चेतावनी की घंटी है। औसतन बंगाल महिला-सुरक्षा और सम्मान का पक्षधर रहा है। बंगाल देवी दुर्गा और मां काली की आराधना-स्थली है। अगले माह दुर्गा पूजा और फिर दीपावली के त्योहार हैं। आह्वान किए जा रहे हैं कि ये त्योहार न मनाए जाएं। आखिर एक बेटी को कुचल कर मारा गया है। इंसाफ अभी निश्चित नहीं है, क्योंकि सीबीआई की जांच जारी है। साक्ष्य मिटा दिए गए थे, जब हजारों की भीड़ एक रात में अचानक अस्पताल तक आई और सब कुछ तबाह कर दिया। बंगाल पुलिस उस भीड़ को तो रोक नहीं पाई। बल्कि उसकी खुफिया सूचना तक हासिल नहीं कर पाई। 'दीदी' को इन सभी अपराधों के जवाब देने होंगे। कोलकाता के आंदोलनकारी 'दीदी' ममता की प्रतिक्रिया जानना चाहते थे। 'रेप-मर्डर' बर्बर मामले के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने ही अस्पताल के प्रशासन और पुलिस के निकम्मेपन का बचाव किया है, लिहाजा ममता की भूमिका को भी अक्षम्य माना गया। सर्वोच्च अदालत की न्यायिक पीठ ने ऐसी ही तल्ख टिप्पणियां की थीं। ममता इन आंदोलनों को राम-वाम और कांग्रेस पर थोप कर अग्नि-परीक्षा पार नहीं कर सकतीं। राज्य के गवर्नर लगातार मुख्यमंत्री और उनकी सरकार के खिलाफ टिप्पणियां कर रहे हैं। अभी वह दिल्ली में राष्ट्रपति और गृह मंत्री से मुलाकात करके लौटे हैं, लिहाजा बंगाल में अनुच्छेद 356 के तहत 'राष्ट्रपति शासन' लगाने की चर्चाएं भी जारी हैं। सरकार बिल्कुल नाकाम है, संवैधानिक मशीनरी ढह चुकी है, कानून-व्यवस्था अराजक स्थिति में है, अपराध बढ़ रहे हैं, राजनीतिक हत्याएं भी की जा रही हैं, लिहाजा 356 का यह फिट केस है, लेकिन ममता 'सड़किया राजनेता' हैं। वह फिर सडक़ पर बिछ सकती हैं।

राय

हिमाचल में हवाई सर्किट

हवाई कनेक्टिविटी के आकाश में हिमाचल के प्रयास अब नया स्थान खोज रहे हैं। इसी धुन पर सवार होकर हिमाचल ने हेलिपोर्ट विस्तार का खाका मुकम्मल करते हुए पालमपुर, रक्कड़, चंबा और किन्नौर का नक्शा मजबूत करना शुरू किया है, तो कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार को लेकर सिर धड़ की बाजी लगा दी है। सरकार इसके विस्तार को अमलीजामा पहना देती है, तो यह पर्वतीय वर्जनाओं पर इरादों की बुलंदी होगी। कुछ इसी तरह जब ऊना रेल आगे बढ़ी, तो वंदे भारत की मंजिल पर आकर अंब-अंदौरा ने पर्यटन का मजबूत रास्ता बना दिया। हमने शुरू से ही कहा है कि हिमाचल की कनेक्टिविटी में सडक़ मार्गों का केंद्र हमीरपुर, रेलवे विस्तार की कड़ी में ऊना रेल का मुख ज्वालाजीमुखी की ओर मोड़ कर तथा विमान सेवाओं के विस्तार को कांगड़ा एयरपोर्ट से जोड़ कर पूरा किया जा सकता है। इसी तरह रज्जु मार्गों, मोनो रेल, स्काई बस या एरियल ट्राम के जरिए बड़े शहरों में स्थानीय परिवहन के नेटवर्क स्थापित करने होंगे। शिमला शहर के लिए रज्जु मार्ग परियोजना आशा जगाती है। करीब 1734 करोड़ की यह परियोजना साठ किलोमीटर क्षेत्रफल में प्रति घंटा 2000 यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाएगी। इसी तरह की परियोजनाएं कांगड़ा से धर्मशाला-मकलोडगंज, सुंदरनगर-नेरचौक-मंडी व भुंतर-कुल्लू-मनाली के लिए भी बनाई जाएं, तो शहरी परिवहन के साथ-साथ पर्यटन के यातायात को भी सुचारू रूप से चलाया जा सकता है। कम से कम पांच करोड़ पर्यटकों को बुलावा भेजने के इच्छुक राज्य को अपने परिवहन के सारे माध्यमों को पुख्ता करने की आवश्यकता है। बहरहाल हिमाचल सरकार हवाई रूट की नई श्रृंखला में प्रदेश को आरामदायक यात्रा डेस्टिनेशन से जोड़ रही है।

इसी संदर्भ में चंडीगढ़-कुल्लू-धर्मशाला के रूट के प्रस्ताव पर कार्य हो रहा है। पहले ही शिमला-धर्मशाला, कुल्लू-अमृतसर, शिमला-अमृतसर तथा चंडीगढ़-धर्मशाला उड़ानें जारी हैं, जबकि गर्मियों में जयपुर से धर्मशाला को जोडने का प्रयास भी हुआ है, लेकिन अब एक आंतरिक हवाई सर्किट बनता हुआ दिखाई देता है। हेलि टैक्सी इस दिशा में कई रूट चिन्हित कर चुकी है। यह दीगर है कि कुछ उड़ानें अभी अपनी क्षमता का दोहन न कर पाने की वजह से रुक गईं, लेकिन भविष्य में पर्यटन की दृष्टि से हिमाचल के अंदरूनी-अनछुए और ट्राइबल पर्यटन के लिए हेलिपोर्ट मील पत्थर साबित होंगे। राजधानी शिमला से सभी जिला मुख्यालयों तथा महत्त्वपूर्ण शहरों के लिए हवाई उड़ानें अगर पैकेज के रूप में ट्रैवलर और सरकारी आवाजाही से जुड़ें, तो सरकारी गाडियों के काफिले फिर सडक़ों पर नहीं चलेंगे। इसके लिए हवाई टिकट के साथ गंतव्य तक नियमित सार्वजनिक वाहनों की खेप उतारनी पड़ेगी। शिमला-धर्मशाला फ्लाइट का पूरा लाभ तब मिलेगा जब राजधानी और उप राजधानी के हवाई अड्डों के लिए विशेष बस सेवाएं शुरू की जाएं। इतना ही नहीं, हवाई अड्डों पर टैक्सी सेवाएं जिस ढर्रे व दर से चलती हैं, उससे यात्रा का सारा मजा किरकिरा हो जाता है। हिमाचल में टैक्सियों का संचालन घोषित दरों पर ऐप के जरिए सुनिश्चित करना होगा। इसी तरह वंदे भारत ट्रेन के साथ टैम्पो ट्रैवलर की सस्ती दरों पर यात्रियों को हमीरपुर, मंडी, धर्मशाला तक की सेवाएं उपलब्ध होनी चाहिएं। ताज्जुब यह कि अंब-अदौरा से शुरू हुई पर्यटन बस अपने रूट व रेट की वजह से नाकामयाब साबित हो रही है।

बाल तस्करी से निपटने की चुनौती

अभिभावकों को बाल्यावस्था से ही अपने बच्चों को अध्यात्म से जोड़ते हुए उनका ध्यान योग की तरफ उन्मुख करने से विशेष रूप से फायदा मिल सकता है। इससे वे परीक्षा के दौरान होने वाले मानसिक तनाव का मुकाबला भी कर पाएंगे। शारीरिक एवं मानसिक फिटनेस के साथ-साथ उन्हें संतुलित आहार लेना सिखाना भी जरूरी है। इस मामले में पंचायतों की भूमिका बढ़ जाती है और उन्हें फेरी वालों के आवागमन पर नजर रखनी होगी'

जिला कांगड़ा की सराह पंचायत में शुक्रवार, 23 अगस्त को दो लड़कियां व एक लडक़ा जब घर से सराह स्कूल को जा रहे थे तो मोटरसाइकिल पर सवार दो नकाबपोश, जिन्होंने बाइक पर कंबल बेचने के लिए रखे हुए थे, ने बच्चों को टॉफियां-चॉकलेट लेने का लालच दिया, लेकिन बच्चों ने टॉफी-चॉकलेट लेने से इनकार कर दिया और शोर मचाया, जिससे वे संदिग्ध नकाबपोश व्यक्ति वहां से रफूचक्कर हो गए, लेकिन इलाके में ऐसे व्यक्तियों की गतिविधियों से अभिभावक सकते में हैं। उधर ऊना शहर के वार्ड नंबर दस में तीन नाबालिग बच्चे अचानक घर से लापता हो गए हैं। तीनों बच्चे घर से ट्यूशन पर जाने के लिए निकले थे, लेकिन ट्यूशन सेंटर पर नहीं पहुंचे। पीड़ित माता-पिता ने पुलिस के पास शिकायत दर्ज करवाई है। ऐसी कहानियां अमूमन मीडिया में भारत के प्रत्येक राज्य से पढने-देखने को मिलती रहती हैं। बाल तस्करी को लेकर महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 1 जनवरी 2018 से 30 जून 2023 तक का जो डॉटा लोकसभा में रखा है, वह चौंकाने वाला भी है और चिंतित करने वाला भी है। पिछले पांच सालों में देश भर में 2 लाख 75 हजार से ज्यादा बच्चे गायब हुए हैं। गायब हुए बच्चों में 2 लाख 12 हजार लड़कियां हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इनमें से 2 लाख 40 हजार बच्चों को ढूंढ निकाला गया, इसमें 173786 लड़कियां हैं। रिपोर्ट के अनुसार सात राज्यों मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, कर्नाटक, गुजरात, दिल्ली और छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा बच्चे गायब होते हैं। रिपोर्ट के अनुसार गायब हुए बच्चों में से ज्यादातर बंधुआ मजदूरी या फिर व्यावसायिक यौन शोषण के धंधे में लगा दिए जाते हैं। बचपन बचाओ आंदोलन की रिपोर्ट की मानें तो देश भर में हर साल करीब 96000 बच्चे लापता हो रहे हैं। इन बच्चों में से 41546 का कभी पता नहीं चलता है। बीबीए के संस्थापक नोबेल पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी इस बारे में कहते हैं, 'इन लापता बच्चों में से ज्यादातर मामलों को तो पुलिस मानती ही नहीं, उनके मामले दर्ज करना और उनकी जांच करना तो दूर की बात है।' बीबीए ने एक टोल फ्री शिकायत नंबर 18001027222 शुरू किया है जहां पर लापता बच्चों को लेकर शिकायत दर्ज करवाई जा सकती है। बच्चों के लिए काम करने वाले एक अन्य गैर सरकारी संगठन सीआरवाई (क्राई) की रिपोर्ट के मुताबिक लगातार गिर रहे लिंगानुपात के चलते हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्यों में लड़कियों को अगवा कर शादी के लिए बेचने का भी धंधा भी चल रहा है। चाइल्ड ट्रैफिकिंग के शिकार ज्यादातर बच्चे शहरी घरों में घरेलू नौकर का काम करते हैं। बाल तस्करी की रोकथाम, बाल श्रम उन्मूलन आदि के लिए प्रयासरत संस्था बचपन बचाओ आंदोलन अब तक 80 हजार से अधिक मासूमों को बाल

तस्करी से बचा चुका है। आज चाइल्ड ट्रैफिकिंग पर विशेष लगाम लगाने की जरूरत है। बच्चों को मजदूरी के लिए इस्तेमाल किया जाता है क्योंकि बच्चे सस्ते मजदूर साबित होते हैं जिन्हें डरा-धमकाकर ज्यादा से ज्यादा काम लिया जा सकता है। बच्चों का इस्तेमाल शारीरिक शोषण अथवा गलत काम के लिए भी किया जाता है। बाल विवाह भी इसका एक बहुत बड़ा कारण है। बच्चों के बॉडी पार्ट बेचे जाते हैं। बचपन बचाओ आंदोलन और कैपजैमिनी ने एक ऐप्लिकेशन 'रीयूनाइट' बनाया है जिसे गूगल प्ले स्टोर और ऐपल स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। कैलाश सत्यार्थी कहते भी हैं कि, 'देश में हर आठ मिनट में एक बच्चा लापता होता है। बाल तस्करी के धंधे में संलिप्त लोग उन्हें मजूदरी, चोरी करने अथवा सडक़ों पर भीख मांगने के काम में धकेल देते हैं।' महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने गुमशुदा बच्चों को ट्रैक करने के लिए 'ट्रैकचाइल्ड' और 'खोया-पाया' वेब पोर्टल विकसित किए हैं। ट्रैकचाइल्ड पोर्टल गृह मंत्रालय, रेल मंत्रालय, राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों, बाल कल्याण समितियों, किशोर न्याय बोर्डों, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण आदि सहित विभिन्न हितधारकों के सहयोग से कार्यान्वित किया जा रहा है और 'खोया-पाया' को ट्रैकचाइल्ड पोर्टल पर नागरिक कॉर्नर के रूप में एकीकृत किया गया है। अभिभावकों को चाहिए कि वे अपने बच्चों को समझाएं कि घर से बाहर जाने या घर में भी किसी अजनबी के आने पर उनसे कोई भी चीज नहीं लेनी है। अगर वो उनके अभिभावकों को जानने की बात भी कहते हैं तो भी बच्चे को उनके साथ जाने से इंकार कर देना है। बच्चे को पुलिस स्टेशन या पंचायत/वार्ड जनप्रतिनिधियों के बारे में भी बताकर रखें। बच्चों को बताएं कि गुम होने पर उन्हें कब क्या एक्शन लेना है, कहां जाना है और कैसे अपने आपको सुरक्षित करना है। अगर कोई अजनबी उसे परेशान करता है तो उसे चिल्लाना चाहिए। अध्यापकों द्वारा भी स्कूलों में प्रातःकालीन सभा में विद्यार्थियों को समय-समय पर बाजार एवं घर आते-जाते समय अजनबी व्यक्तियों से लिफ्ट अथवा खाने-पीने की सामग्री नहीं लेने की ताकीद की जानी चाहिए। किशोरों को सही दिशा और जीवन जीने का कौशल समझाया जाना चाहिए। अभिभावकों को बाल्यावस्था से ही अपने बच्चों को अध्यात्म से जोड़ते हुए उनका ध्यान योग की तरफ उन्मुख करने से विशेष रूप से फायदा मिल सकता है। इससे वे परीक्षा के दौरान होने वाले मानसिक तनाव का मुकाबला भी कर पाएंगे। शारीरिक एवं मानसिक फिटनेस के साथ-साथ उन्हें संतुलित आहार लेना सिखाना भी जरूरी है। इस मामले में पंचायतों की भूमिका बढ़ जाती है और उन्हें फेरी वालों एवं संदिग्ध बाहरी लोगों के आवागमन पर नजर रखनी होगी, पूछताछ करनी होगी। जागरूकता एवं अतिरिक्त सतर्कता से ही हम हमारे बच्चों की सुरक्षा को सुनिश्चित बना सकते हैं।

बदली दुनिया का दस्तूर

देखते ही देखते लोगों के जीने का, बात करने का, अपने आप को पेश करने का सलीका बदल गया। आज सडक़ पर चलता हर बशर नकाबदारी में नजर आता है। क्या चचा जान का वचन यह साबित नहीं कर देता कि 'इस दुनिया के सब चोर-चोर, कोई बड़ा चोर कोई छोटा चोर।' जहां से आपने महीनों पहले उधार ले रखा था, और वापस चुकाने की आपकी कोई मंशा नहीं थी, वहां भी अब आप मजे से यह मास्क ओढ़ कर जा सकते हैं। चेहरा न दिखाने पर कोई पहचानेगा नहीं। कोई धृष्ट महाजन आपका नकाब हटा आपको पहचानने की कोशिश करे तो बेशक कानून परस्तों के सामने चिल्ला दीजिए, 'हुजूर यह हमारा नकाब छीन कर हमें कानून के उल्लंघन के लिए मजबूर कर रहा है। इसे पकड़ कर भारी जुर्माना कीजिए।' हमारी सिफारिश पर उन्होंने कुछ रियायत कर दी, तो हम उस बचत की ही इसके कर्ज की राशि की वापसी बना देंगे। जी हां, यहां सीधी उंगली से घी निकलता कहां है? अब कोई उंगली टेढ़ी करने लगे तो उससे पूछ लीजिएगा, 'बन्धु, टेढ़ी उंगली को धो-पौंछ लिया?' कहीं ऐसा न हो कि अपनी उंगली से सारा घी ही बिगाड़ दो। क्या इससे बेहतर नहीं कि जनता की भलाई के लिए जारी हुआ घी हम आपस में ही आधा-आधा बांट लें। अभी-अभी खबर मिली है कि अपने राज्य में जो मुफ्त राशन उसके हिस्से में गरीबों में बांटने के लिए दिया गया था, उसका एक हिस्सा भी उनमें नहीं बांटा। सम्भवतः यह समय का तकाजा है कि न नौ मन तेल हो और न राधा नाचे। न इनमें राशन बंटेगा न इसे हथियाने के लिए मारामारी होगी, न इनकी हथेलियां लिथड़ेंगी।

यूं ही साफ-सुथरे ये लोग इहलोक की लीला समाप्त कर परलोक सिधार गए, तो कम से कम हम कह तो सकेंगे, 'भई ये गंदे, मैले कुचैले संक्रमित हो बीमारी से नहीं मरे, भुखमरी से मरे।' इसलिए यह मौत उस बीमारी के खाते में आएगी। यूं मरने वालों की संख्या नहीं बढ़ेगी। लीजिए बैठे-बिठाए समस्या का समाधान हो गया। लोग भुखमरी से मरे हैं। इसलिए सिद्ध होता है कि इस माहामारी से मरने वालों का आंकड़ा कम हो रहा है। और हमने इससे अपने इलाके में बीमारियों से होने वाली मौतें घटाकर विजय प्राप्त कर ली है। वैसे भी हमने बेरोजगारी के कारण शहर छोड़ अपने-अपने गांव भागते हुए लोगों को बताया था कि 'भई वहां कुछ नहीं रखा है।' हालात सब जगह एक से हैं। यहां भी छुटभय्ये नेता दनदनाते हैं, वहां भी उनकी कमी नहीं। पता है न एक देश, एक राशन कार्ड बन गया है। इसलिए कौनसा कार्ड फर्जी है, इसे पहचानने में और भी दिक्कत हो जाएगी। अब आप उन नकाबों की तलाश न कीजिएगा कि जिन्हें ओढ़ आपके मेहरबानों ने आप पर यह करम फरमाया है। फिलहाल तो यह पता कीजिये कि आपके हिस्से की मनरेगा राशि कहां उडनछू हो गई? खाते बताते हैं कि आपके इलाके की सारी मनरेगा राशि बंट चुकी है और आपके हिस्से एक छदाम भी नहीं आया। जो कार्ड बन गए थे, उन पर धन बंट गया। फिलहाल तो यह काम कीजिए कि पता करें यह धनराशि कौन से नकाबपोश फर्जी अते पते के साथ सेंध लगा कर ले उड़े। लीजिए अब अपने कल्याण का इंतजार नहीं, इन सेंधों की तलाश कीजिए कि जहां जारी हुए एक रुपए के नब्बे पैसे बंट गए। लेकिन नेता जी तो बता रहे थे, 'आजकल पूरे का पूरा रुपया गरीबों के खाते में जाता है।' आइए पहले इन नकाबपोशों को बेनकाब करें जो हमारा रुपया हमें दे भी गए और उसे ले भी उड़े। चलें, आमीन।

AI और न्यू एनर्जी अब रिलायंस का नया मंत्र, आम आदमी के लिए तकनीक सुलभ करने पर रहेगा फोकस

परिवहन विशेष न्यूज

रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रमुख मुकेश अंबानी ने कहा कि रिलायंस का न्यू एनर्जी कारोबार चालू होने के 5 से 7 वर्षों में ही उतनी कमाई करने लगेगा जितनी हमारा तेल गैस या रसायन वाला कारोबार करता है। कंपनी ने कच्छ में बंजर भूमि को पट्टे पर लिया है। इस बंजर भूमि में अगले 10 वर्षों में लगभग 150 अरब यूनिट बिजली पैदा होगी।

नई दिल्ली: पिछले कुछ वर्षों से देश का प्रमुख उद्योग समूह रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) अपने कारोबार की प्रकृति में बदलाव का संकेत दे रही थी और गुरुवार को कंपनी की 47वें सालाना आम बैठक में चेयरमैन मुकेश अंबानी ने इस बारे में विधिवत घोषणा कर दी। उन्होंने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और नई प्रौद्योगिकी कंपनी का नया मूल मंत्र होगा।

रिलायंस ग्रुप की कंपनी जियो ब्रेन जल्द ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्लेटफार्म लांच करेगी। कनेक्टेड इंटेलिजेंस, विश्व स्तरीय इंफ्रा के साथ यह सर्विस "एआई एवरीवेयर फॉर एवरीवन" की थीम पर यह लांच होगी, जिसका इस्तेमाल आम आदमी आसानी से कर सकेगा। कंपनी ने हर शेयर पर एक शेयर बतौर बोनस देने का एलान किया है। 5 सितंबर, 2024 को निदेशक बोर्ड की बैठक में इसे मंजूरी मिलने की संभावना है।

रिलायंस में छंटनी की खबरों को खारिज किया

रिलायंस चेयरमैन ने अपने समूह की कंपनियों में नौकरियों में कटौती की खबरों को खारिज करते हुए इसे भ्रामक बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि रिलायंस ने वित्त वर्ष 2023-24 में वास्तव में कुल 1.7 लाख नई नौकरियां दी हैं। कंपनी के कुल कर्मचारियों की संख्या बढ़कर अब 6.5 लाख से अधिक हो गई है। मुकेश अंबानी ने कहा कि कर्मचारियों की संख्या में गिरावट की वजह कर्मचारियों द्वारा नौकरी के एक अलग मॉडल चुनाव था न कि उनका निकाला जाना।

मुकेश अंबानी ने कहा, "रोजगार सृजन की प्रकृति वैश्विक स्तर पर बदल रही है, जिसका मुख्य कारण तकनीकी हस्तक्षेप और लचीले व्यापार मॉडल हैं। इसलिए, सिर्फ पारंपरिक प्रत्यक्ष रोजगार मॉडल के बजाय, रिलायंस नए प्रोत्साहन-आधारित जुड़ाव मॉडल को अपना रहा है। इससे कर्मचारियों को बेहतर कमाई करने में मदद मिलती है और उनमें उद्यम की भावना पैदा होती है। यही कारण है कि प्रत्यक्ष रोजगार संख्या वार्षिक आंकड़ों में थोड़ी गिरावट दिखी है, जबकि कुल रोजगार में वृद्धि हुई है।'

न्यू एनर्जी कारोबार से होगी भारी कमाई

अंबानी ने कहा कि रिलायंस का न्यू एनर्जी कारोबार चालू होने के 5 से 7 वर्षों में ही उतनी कमाई करने लगेगा, जितनी हमारा तेल, गैस या रसायन वाला कारोबार करता है। कंपनी ने कच्छ में बंजर भूमि को पट्टे पर लिया है। इस बंजर भूमि में अगले 10 वर्षों में लगभग 150 अरब यूनिट बिजली पैदा होगी। जो भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं के लगभग 10 फीसद के बराबर होगी।

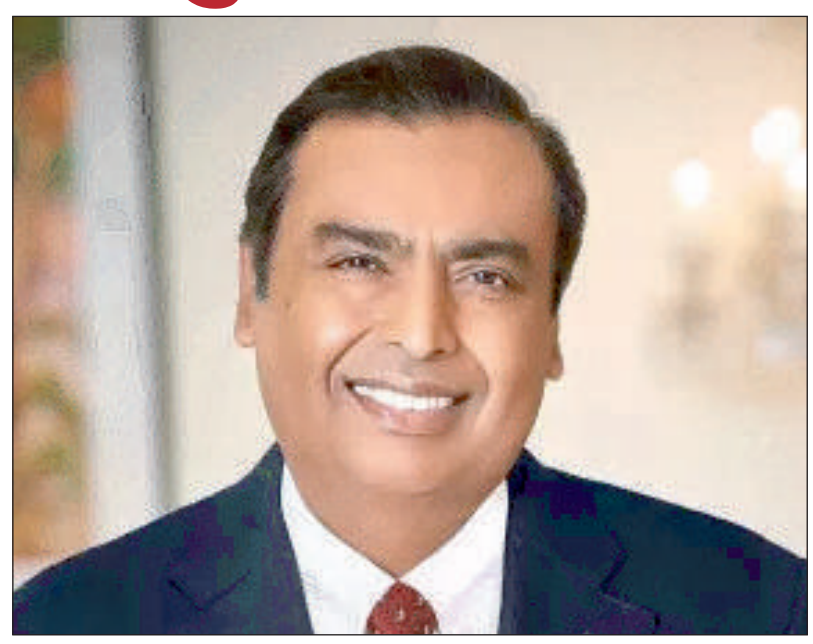

साथ ही इस साल के अंत तक सौर ऊर्जा में इस्तेमाल होने वाले फोटो-वोल्टाइक मॉड्यूल का उत्पादन शुरू कर देंगे। अगली तिमाहियों में पूरा एकीकृत सौर उत्पादन सुविधाओं का पहला चरण पूरा हो जाएगा। इसमें मॉड्यूल, सेल, ग्लास, वेफर, इंगोट और पॉलीसिलिकॉन शामिल हैं, जिनकी शुरुआती वार्षिक क्षमता 10 गीगावॉट है। जामनगर में 30 गीगावॉट वार्षिक क्षमता वाली एक एकीकृत उन्नत रसायन-आधारित बैटरी विनिर्माण सुविधा का निर्माण शुरू कर दिया है। अगले साल की दूसरी छमाही तक उत्पादन शुरू हो जाएगा।

बायो एनर्जी से पैदा होंगी 30 हजार नौकरियां

न्यू एनर्जी बिजनेस के बारे में बताते हुए मुकेश अंबानी ने कहा कि, "बायो-एनर्जी कारोबार तेजी से विस्तार कर रहा है और 2025 तक 55 ऑपरेटिंग कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट तक पहुंच जाएगा, जिससे किसान अन्ना दाता से ऊर्जा दाता बन जाएंगे और ग्रामीण क्षेत्रों में 30,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी। कंपनी न्यू एनर्जी बिजनेस में 75,000 करोड़ तक के निवेश के लिए तैयार हैं।

कंपनी की भावी एआई तैयारियों के बारे में अंबानी ने कहा कि जियो पूरे एआई को कवर करने वाले उपकरणों और प्लेटफार्मों का एक व्यापक सूट 'जियो ब्रेन' विकसित कर रहा है। मुझे उम्मीद है कि रिलायंस के भीतर जियो ब्रेन को बेहतर बनाकर, हम एक शक्तिशाली एआई सेवा प्लेटफॉर्म बनाएंगे हम जामनगर में गीगावाट-स्केल एआई-तैयार डेटा सेंटर स्थापित करने की योजना बना रहे हैं, जो पूरी तरह से रिलायंस की हरित ऊर्जा से संचालित होगा। हमारा लक्ष्य यहीं भारत में दुनिया की सबसे किफायती एआई इन्फ्रेसिंग बनाना है। इससे भारत में एआई एप्लिकेशन ज्यादा किफायती हो जाएंगे और यह सभी के लिए सुलभ हो जाएगा।"

अंबानी ने कहा कि उनकी कंपनी का मकसद भारत की इकोनॉमी में दीर्घकालिक लक्ष्यों को देखते हुए परिसंपत्तियों का निर्माण करना है। कुछ समय के लिए मुनाफा कमाने में उनकी कंपनी विश्वास नहीं करती। रिलायंस समूह भारतीय ग्राहकों को वैश्विक स्तर के उत्पाद व सेवा देने में भरोसा करती है और यह काम जारी रहेगा। यह भारत को ऊर्जा सुरक्षा को मजूबत करना चाहती है और विश्व के पर्यावरण को सुधारने में भी मदद करेगी।

गौतम अदाणी फिर बने देश के सबसे अमीर व्यक्ति, एक साल में 95% बढ़ी संपत्ति

नई दिल्ली। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी एक बार फिर देश के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। उन्होंने रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को पछाड़ा है। गुरुवार को जारी हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2024 में गौतम अदाणी 11.6 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ शीर्ष पर रहे हैं और बीते एक वर्ष में उनकी संपत्ति में 95 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही है। 2023 में इस सूची में गौतम अदाणी की संपत्ति 4.74 लाख करोड़ रुपये बताई गई थी। पिछले वर्ष जनवरी में अमेरिकी शार्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के बाद अदाणी समूह की सभी सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों में बड़ी गिरावट आई थी।

दूसरे नंबर पर पहुंचे मुकेश अंबानी

हुरुन इंडिया रिच लिस्ट के अनुसार, इस वर्ष 10.14 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ मुकेश अंबानी दूसरे स्थान पर रहे हैं। 2023 में अंबानी 8.08 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ गौतम अदाणी से आगे थे। एचसीएल टेक्नोलाजी के संस्थापक शिव नादर और उनका परिवार 3.14 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ इस सूची में तीसरे स्थान पर रहा है। पिछले वर्ष वे इस सूची में चौथे स्थान पर थे। सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया का साइरस पूनावाला एक स्थान खिसककर चौथे स्थान पर रहे हैं और उनकी कुल संपत्ति 2.89 लाख करोड़ रुपये बताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, 2.50 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ सन फार्मास्यूटिकल्स के दिलीप सांघवी पांचवें स्थान पर रहे हैं। पिछले वर्ष सांघवी इस सूची में छठे स्थान पर थे।

रिलायंस ने लाखों लोगों को दी नौकरी की सौगात, कंपनी में कर्मचारियों की तादाद बढ़कर हुई 6.5 लाख

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की आज 47वीं एनुअल जनरल मीटिंग हो रही है। यह मीटिंग दोपहर 2 बजे से शुरू हुई है। मीटिंग में कंपनी के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने नौकरियों में कटौती को लेकर अपनी बात रखी। मुकेश अंबानी ने कंपनी में नौकरियों में कटौती की खबरों को खारिज करते हुए इसे भ्रामक बताया। मुकेश अंबानी ने जानकारी दी कि रिलायंस ने वित्त वर्ष 2023-24 में लाखों नौकरियां जोड़ी हैं।

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की आज 47वीं एनुअल जनरल मीटिंग हो रही है। यह मीटिंग दोपहर 2 बजे से शुरू हुई है। मीटिंग में कंपनी के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने नौकरियों में कटौती को लेकर अपनी बात रखी। मुकेश अंबानी ने कंपनी में नौकरियों में कटौती की खबरों को खारिज करते हुए इसे भ्रामक बताया। मुकेश अंबानी ने जानकारी दी कि रिलायंस ने वित्त वर्ष 2023-24 में लाखों नौकरियां जोड़ी हैं। मुकेश अंबानी ने बताया कि रिलायंस ने कुल 1.7 लाख नई नौकरियां दी हैं। कंपनी के कुल कर्मचारियों की संख्या बढ़कर अब 6.5 लाख से अधिक हो गई है।

कर्मचारियां की संख्या में दिखी थी कमी

बता दें, पिछले वित्त वर्ष में जियो की वार्षिक रिपोर्ट में कर्मचारियों की संख्या में कमी दिखाई दी थी। इस कमी पर मुकेश अंबानी ने कहा कि कर्मचारियों की संख्या में गिरावट की वजह कर्मचारियों द्वारा नौकरी के एक अलग मॉडल चुनाव था। उन्होंने कर्मचारियों को निकाले जाने की बात को स्वीकार नहीं किया था।

इस पर उन्होंने कहा ₹रोजगार सृजन की प्रकृति वैश्विक स्तर पर बदल रही है, जिसका मुख्य कारण तकनीकी हस्तक्षेप और लचीले व्यापार मॉडल हैं। इसलिए, सिर्फ़ पारंपरिक प्रत्यक्ष रोज़गार मॉडल के बजाय, रिलायंस नए प्रोत्साहन-आधारित जुड़ाव मॉडल को अपना रहा है। इससे कर्मचारियों को बेहतर कमाई करने में मदद मिलती है और उनमें उद्यम की भावना पैदा होती है। यही कारण है कि प्रत्यक्ष रोज़गार संख्या वार्षिक आंकड़ों में थोड़ी गिरावट दिखी है, हालांकि रिलायंस द्वारा सृजित कुल रोज़गार में वृद्धि हुई है।"

खाद्य तेल में आत्मनिर्भर बनने की सिफारिश, 60 प्रतिशत तक निर्भरता आयात पर

परिवहन विशेष न्यूज

खाद्य तेल में आत्मनिर्भर बनने या इस आयात को कम करने पर हमारा आयात बिल भी कम हो जाएगा। गत वित्त वर्ष 2023-24 में भारत ने खाद्य तेल के आयात पर 123078 करोड़ रुपये खर्च किए। नीति आयोग के मुताबिक भारत में खाद्य तेल की प्रति व्यक्ति खपत अभी 19.7 किलोग्राम प्रतिवर्ष है जबकि विकसित देशों में प्रति व्यक्ति यह खपत 25.3 किलोग्राम की है।

नई दिल्ली: नीति आयोग ने अपनी ताजा रिपोर्ट में खाद्य तेल में आत्मनिर्भर बनने के लिए तिलहन की खरीदारी हर हाल में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सुनिश्चित करना, खाद्य तेल के आयात पर शुल्क में बढ़ोतरी, तिलहन के उत्पादन के लिए क्षेत्रफल को बढ़ाना और तिलहन के बीज की उपलब्धता के लिए हर ब्लाक में एक गांव को तिलहन के बीज वाले गांव के रूप में विकसित करने जैसी कई सिफारिश की है।

आयोग ने फूड इंडस्ट्रीज को घरेलू खाद्य तेल के इस्तेमाल पर इंसेंटिव देने के साथ तेल का उत्पादन बढ़ाने के लिए निजी सेक्टर के साथ सहभागिता की भी सिफारिश की है। आयोग की यह सिफारिश इसलिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि पिछले 20 सालों से भारत खाद्य तेल के मामले में आत्मनिर्भर बनने के लिए संघर्षरत है, लेकिन आयात कम होने का नाम नहीं ले रहा है। वर्ष 2022-23 में भारत ने 165 लाख टन खाद्य तेल का आयात किया था। घरेलू स्तर पर खाद्य तेल के होने वाले उत्पादन से सिर्फ 40-45 प्रतिशत जरूरतें पूरी हो पाती है।

60 प्रतिशत जरूरत को पूरा करने के लिए हमें आयात करना पड़ता है। खाद्य तेल में आत्मनिर्भर बनने या इस आयात को कम करने पर हमारा आयात बिल भी कम हो जाएगा। गत वित्त वर्ष 2023-24 में भारत ने खाद्य तेल के आयात पर 1,23078 करोड़ रुपए खर्च किए। नीति आयोग के मुताबिक भारत में खाद्य तेल की प्रति व्यक्ति खपत अभी 19.7 किलोग्राम प्रतिवर्ष है जबकि विकसित देशों में प्रति व्यक्ति यह खपत 25.3 किलोग्राम की है। देश के विकास के साथ भारत में भी प्रतिव्यक्ति खपत इस स्तर पर पहुंच सकती है और तब खाद्य तेल की घरेलू मांग व आपूर्ति का अंतर वर्ष 2030 तक 223 लाख टन तक जा सकता है।

मतलब, अगर घरेलू उत्पादन नहीं बढ़ाया गया तो वर्ष 2030 तक हमें 220 लाख टन आयात करना पड़ सकता है और अगर अमेरिका की तरह 40.3 किलोग्राम की खाद्य तेल की प्रति व्यक्ति खपत भारत की हो जाती है तो वर्ष 2030 तक 295 लाख टन खाद्य तेल का आयात करना पड़ेगा। ऐसे में मांग व आपूर्ति के इस अंतर को कम करने के लिए देश के उन हिस्सों में भी तिलहन की खेती शुरू करने की जरूरत है जहां अब तक यह खेती नहीं होती है।

बुंदेलखंड जैसे इलाके में बड़े पैमाने पर यह खेती हो सकती है। अभी आंध्र प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु व महाराष्ट्र जैसे राज्यों में मुख्य रूप से तिलहन की खेती होती है। आयोग ने पाम ऑयल की खेती के एरिया को बढ़ाने के लिए भी कहा है। खाद्य तेल के आयात में पाम आयल की बड़ी हिस्सेदारी है।

सरकार खाद्य तेल के आयात पर इसलिए भी शुल्क नहीं बढ़ा पाती है क्योंकि ऐसा करने से खाद्य तेल की खुदरा कीमत बढ़ जाती है जिससे महंगाई प्रभावित होने लगती है। आयात शुल्क बढ़ाने पर घरेलू किसानों को अच्छी कीमत मिलेगी और वे तिलहन के अधिक उत्पादन के लिए आकर्षित होंगे।

सेवानिवृत्त कर्मियों के लिए नया सरलीकृत पेंशन फॉर्म जारी करेगा केंद्र

सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी जो ई-एचआरएमएस पर हैं। वे ई-एचआरएमएस के माध्यम से फार्म 6-ए भरेंगे और जो ई-एचआरएमएस पर नहीं हैं वे भविष्य पोर्टल पर फार्म 6-ए भरेंगे। विज्ञप्ति के अनुसार इस नए फॉर्म और भविष्य/ई-एचआरएमएस के साथ इसका एकीकरण 30 अगस्त को केंद्रीय कार्मिक लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह द्वारा जारी किया जाएगा। इस नए फार्म में कुल नौ फार्म/प्रारूपों को मिला दिया गया है।

नई दिल्ली: केंद्र शुक्रवार को अपने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए एक नया सरलीकृत पेंशन आवेदन पत्र जारी करेगा। पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग (डीओपीपीडब्ल्यू) ने 16 जुलाई, 2024 की अपनी अधिसूचना के जरिए सरलीकृत पेंशन आवेदन "फार्म 6-ए" जारी किया था। कार्मिक मंत्रालय की ओर से गुरुवार को एक बयान में कहा गया- 'यह फार्म भविष्य/ई-एचआरएमएस (आनलाइन माड्यूल) में केंद्र सरकार के उन सभी कर्मचारियों के लिए उपलब्ध होगा जो दिसंबर 2024 और उसके बाद सेवानिवृत्त होने वाले हैं।

सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी जो ई-एचआरएमएस पर हैं, वे ई-एचआरएमएस के माध्यम से फार्म 6-ए भरेंगे और जो ई-एचआरएमएस पर नहीं हैं, वे भविष्य पोर्टल पर फार्म 6-ए भरेंगे।'विज्ञप्ति के अनुसार, इस नए फार्म और भविष्य/ई-एचआरएमएस के साथ इसका एकीकरण 30 अगस्त को केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह द्वारा जारी किया जाएगा। इस नए फार्म में कुल नौ फार्म/प्रारूपों को मिला दिया गया है। इसमें कहा गया कि यह पेंशन की पूरी प्रक्रिया में कागज रहित कामकाज का मार्ग प्रशस्त करेगा।

केंद्र ने कर्मचारियों के लिए सेवानिवृत्ति पूर्व परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया। पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग (डीओपीपीडब्ल्यू) ने अगले साल 31 मार्च तक सेवानिवृत्त होने वाले केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लाभार्थ सेवानिवृत्ति पूर्व परामर्श (पीआरसी) कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला के 55वें संस्करण के दौरान भविष्य पोर्टल, इंटिग्रेटेड पेंशनर्स पोर्टल, रिटायरमेंट लाभ, पारिवारिक पेंशन, सीजीएचएस प्रक्रिया, आयकर नियम, अनुभव, डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र, निवेश के तरीके एवं अवसर आदि पर विभिन्न सत्र आयोजित किए गए।

इन सभी गतिविधियों का उद्देश्य सेवानिवृत्त होने वाले लोगों को रिटायरमेंट से पहले अपनाई जाने वाली प्रक्रिया और भरे जाने वाले फार्म के बारे में जागरूक करना तथा सेवामुक्त होने के बाद उन्हें मिलने वाले लाभों के बारे में जानकारी देना था। कार्यशाला के दौरान एक बैंक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई, जिसमें सभी 18 पेंशन वितरित करने वाले बैंकों ने साथ भाग लिया।

प्रतिभागियों को पेंशनभोगियों से संबंधित सभी बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। बैंकों ने सेवा से स्थायी अवकाश प्राप्त करने वाले लोगों को पेंशन खाता खोलने और उनके लिए उपयुक्त विभिन्न योजनाओं में पेंशन कोष का निवेश करने के बारे में भी मार्गदर्शन दिया।

किसानों को अन्नदाता से ऊर्जादाता बनाएंगे मुकेश अंबानी, बोले- बायो एनर्जी से पैदा होंगी 30 हजार नौकरियां

परिवहन विशेष न्यूज

रिलायंस का न्यू एनर्जी बिजनेस काफी तेजी से बढ़ रहा है। मुकेश अंबानी ने एजीएम में कहा कि बायो-एनर्जी कारोबार तेजी से विस्तार कर रहा है और 2025 तक 55 ऑपरेटिंग कंप्रेस्ड बायोगैस (CBG) प्लांट तक पहुंच जाएगा। इससे किसान अन्नदाता से ऊर्जादाता बन जाएंगे और ग्रामीण क्षेत्रों में 30000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी। कंपनी न्यू एनर्जी बिजनेस में 75000 करोड़ का निवेश करेगी।

नई दिल्ली। अरबपति कारोबारी और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (RIL) मुकेश अंबानी ने Reliance AGM 2024 में कई महत्वपूर्ण बातें कहीं। उन्होंनने खासकर न्यू एनर्जी सेगमेंट पर काफी जोर दिया। अरबपति कारोबारी ने कंपनी की 47वीं वार्षिक आम बैठक में कहा कि रिलायंस के न्यू एनर्जी कारोबार में ऑयल टु केमिकल (O2C) के बराबर संभावनाएं हैं।

"हमारे न्यू एनर्जी कारोबार में काफी संभावनाएं हैं। यह चालू होने के 5 से 7 साल हमारे ऑयल टु केमिकल बिजनेस के बराबर कमाई करने लगेगा। रिलायंस ने कच्छ में बंजर भूमि को पट्टे (Lease) पर लिया है। हम यहां से अगले 10 साल में लगभग 150 अरब यूनिट बिजली पैदा करेंगे। यह भारत की कुल ऊर्जा आवश्यकता के 10 फीसदी के बराबर होगी।"

मुकेश अंबानी, रिलायंस इडंस्ट्रीज के चेयरपर्सन

सोलर फोटो-वोल्टाइक का प्रोडक्शन

रिलायंस इस साल के आखिर तक अपने सोलर फोटो-वोल्टाइक (PV) मॉड्यूल का प्रोडक्शन भी शुरू कर देगी। मुकेश अंबानी ने कहा, 'हम अगली तिमाहियों में अपनी एकीकृत सौर उत्पादन सुविधाओं का पहला चरण पूरा कर लेंगे। इसमें मॉड्यूल, सेल, ग्लास, वेफर, इंगोट और पॉलीसिलिकॉन शामिल हैं। इनकी शुरुआती वार्षिक क्षमता 10 गीगावॉट रहेगी। हमने जामनगर में एक एकीकृत उन्नत रसायन-आधारित बैटरी विनिर्माण सुविधा बना रहे हैं। इससे अगले साल की दूसरी छमाही तक उत्पादन शुरू हो जाएगा।'

किसान से बनेंगे ऊर्जादाता

अंबानी ने न्यू एनर्जी बिजनेस के बारे में कहा, "बायो-एनर्जी कारोबार तेजी से विस्तार कर रहा है और 2025 तक 55 ऑपरेटिंग कंप्रेस्ड बायोगैस (CBG) प्लांट तक पहुंच जाएगा। इससे किसान अन्नदाता से ऊर्जादाता बन जाएंगे और ग्रामीण क्षेत्रों में 30,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी। कंपनी न्यू एनर्जी बिजनेस में 75,000 करोड़ रुपये तक के निवेश के लिए तैयार हैं।'

फरीदाबाद में अंतिम यात्रा के दौरान दुखद अनुभवः स्वर्ग आश्रम, मवई रोड, नहर पार फरीदाबाद

परिवहन विशेष न्यूज

डॉ. अंकुर शरण। जीते जी इंसान या तो पानी के लिए तरस रहा है या पानी से भरी सड़कों पर फंस रहा है। कुछ ऐसा ही अनुभव हाल ही में फरीदाबाद के नहर पार, गांव मवई के पास एक अंतिम यात्रा के दौरान हुआ। यह देखकर अत्यंत दुख होता है कि हमारे फरीदाबाद की स्थिति छोटी-छोटी लापरवाहियों के कारण बद से बदतर होती जा रही है।

मात्र 50 मीटर की दूरी थी नहर से लेकर अंतिमधाम तक, और बीच की मुख्य सड़क पर करीब एक फुट पानी भरा हुआ था। तीन-चार पानी के टैंकर और पानी की निकासी मशीनें लगी हुई थीं। समय और पैसे की बर्बादी के साथ-साथ, सैकड़ों लोग इस गंदे, बदबूदार और कीचड़ भरे पानी से होकर अंतिम यात्रा में शामिल हुए।

फरीदाबाद में एक बहुत ही अनोखी घटना घटित हुई, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि नहर पार, नहर से ज्यादा पानी सड़कों पर मिलेगा। यह जीवंत उदाहरण मुझे तब देखने को मिला जब हमारे पारिवारिक मित्र का स्वर्गवास हो गया। ब्रेन हेमरेज के कारण उन्हें फ़रीदाबाद में सही उपचार नहीं मिल पाया और उन्हें एम्स, दिल्ली रेफर किया गया, जहाँ ऑपरेशन के बाद दो-तीन दिन रखा गया, परंतु स्थिति में सुधार नहीं हुआ और 27 अगस्त को उनका देहांत हो गया।

28 अगस्त को उनका अंतिम संस्कार किया गया, जो कि

स्वर्ग आश्रम, मवई रोड, नहर पार फरीदाबाद हुआ। सेक्टर 31 से नहर पार जाना और वहाँ पर सड़कों पर एक से डेढ़ फुट पानी का होना मन को अत्यंत व्यथित कर गया। ऐसा लगा कि फरीदाबाद में न तो इंसान को सही चिकित्सा मिल पा रही है और न ही अंतिम यात्रा के लिए संघर्ष से बचा जा सकता है।

सैकड़ों लोगों ने विनम्र श्रद्धांजलि दी, लेकिन इस अनुभव ने एक बड़ा प्रश्नचिह्न भी खड़ा किया कि आखिर छोटी-छोटी बातों को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। इस पर व्यापक रूप से कार्यवाही करने की आवश्यकता है। किसी भी सड़क पर गड्ढे नहीं होने चाहिए और पानी जमा होना तो कतई नहीं।

सबसे खतरनाक स्थिति तब बनी जब गाड़ियाँ इस सड़क से पार कर रही थीं, और बीच में न फंसने की कोशिश में लोग अपनी गाड़ियों की गति तेजी से बढ़ा रहे थे। इससे पानी में लहरें उत्पन्न हो रही थीं, जो लोगों को और परेशान कर रही थीं। साथ ही, खुले में मवेशी इसी सड़क पर गोबर किए हुए थे, जिससे गंदगी और बढ़ गई थी। सोचिए, एक इंसान जो पहले से ही दुखी मन से अंतिम यात्रा के दौरान ऐसी जगह पहुंचता है, और वहाँ इस तरह की स्थिति देखकर मन में सिर्फ रहे राम, रक्षा करनाह ही निकलता है। जब हम जीवित हैं, तो आइए इंसानियत का फर्ज निभाएं, मूलभूत सुविधाएं दें, और सड़क सुरक्षा के प्रति नैतिक जिम्मेदारियां उठाएं। छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखें कि कहीं गड्ढे न हों, और कहीं इस तरह से पानी जमा न हो। सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा।

यह घटना फरीदाबाद में सड़क सुरक्षा और आधारभूत ढांचे के प्रति हमारी लापरवाही का एक जीता जागता उदाहरण है। इसे अनदेखा करना और इसमें सुधार न करना, भविष्य में और अधिक समस्याओं को जन्म देगा। इस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

बरगढ़-नुआपाड़ा रेलवे लाइन को मिली कैबिनेट मंजूरीः मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड उडीशा

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्लीः बरगढ़ सांसद प्रदीप पुरोहित सहित पश्चिम ओडिशा के लोगों का लंबे समय से सपना पूरा होने जा रहा है। जल्द ही शुरू होगा बहुप्रतीक्षित बरगढ़-नुआपाड़ा रेल परियोजना। आज बरगढ़ सांसद प्रदीप पुरोहित की उपस्थिति में एक संवाददाता सम्मेलन में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी दी। मंत्री ने कहा कि 138 किलोमीटर लंबी इस रेलवे लाइन के लिए 2926 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। इस परियोजना में 47 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। विश्व प्रसिद्ध सम्बलपुरी साड़ी, भगवान नृसिंहनाथ का पीठ और ओडिशा का भातहांडी बरगढ़ को यह रेलवे लाइन जोड़ेगी, रेल मंत्री ने जानकारी दी। संवाददाता सम्मेलन में बरगढ़ सांसद प्रदीप पुरोहित ने कहा कि यह रेलवे लाइन पश्चिम ओडिशा के तीन पीढ़ियों के लोगों का सपना था। अब यह सपना पूरा होने जा रहा है। यह पश्चिम ओडिशा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की नई सौगात है, प्रदीप पुरोहित ने कहा। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री और रेल मंत्री को धन्यवाद दिया। बता दें कि कुछ दिन पहले बरगढ़ सांसद प्रदीप पुरोहित ने रेल मंत्री को नई रेलवे लाइन से संबंधित ज्ञापन सौंपा था। पश्चिम ओडिशा के आर्थिक, व्यावसायिक और व्यापारिक विकास के लिए यह रेलवे लाइन लाइफलाइन साबित होगी, उन्होंने ज्ञापन में कहा था। पदमपुर उप-चुनाव और पिछले आम चुनाव के दौरान रेल मंत्री ने इस रेल परियोजना के लिए प्रतिबद्धता जताई थी।

सफदरजंग अस्पताल में बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग के पुनर्निर्मित और उन्नत वार्ड की हुई शुरुवात

परिवहन विशेष न्यूज

स्वतंत्र सिंह भुल्लर। वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल के बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग के पुनर्निर्मित और उन्नत वार्ड 19 का उद्घाटन 27 अगस्त 2024 को चिकित्सा अधीक्षक डॉ (प्रो) वंदना तलवार द्वारा एडिशनल एमएस डॉ आर.पी.अरोड़ा, डॉ कृष्ण कुमार और विभागाध्यक्ष डॉ (प्रो) अर्चना पुरी की उपस्थिति में किया गया। यह बुनियादी ढांचे और रोगी देखभाल सुविधाओं दोनों में एक महत्वपूर्ण उन्नयन को दर्शाता है। परियोजना का एक प्रमुख आकर्षण एक सुधारित नवजात एचडीयू की स्थापना है। गंभीर रूप से बीमार सर्जिकल नवजात शिशुओं के लिए यह अत्याधुनिक सुविधा दिल्ली शहर में केंद्र सरकार के संस्थानों में अपनी तरह की पहली है, जो उन्हें सर्वोत्तम संभव पोस्ट-ऑपरेटिव देखभाल प्रदान करती है।

मरीजों और चिकित्सा कर्मचारियों दोनों के लिए अधिक आरामदायक और कुशल वातावरण बनाने के लिए वार्ड के समग्र बुनियादी ढांचे को बढ़ाया गया है नवीनीकरण में उन्नत रोगी कक्ष भी शामिल हैं, जो वार्ड की उच्च-गुणवत्ता और समग्र देखभाल प्रदान करने की क्षमता में प्रमुख रूप से योगदान करते हैं। इन नैदानिक सुधारों के अलावा, वार्ड को अधिक स्वागत योग्य और बच्चों के अनुकूल स्थान में बदल दिया गया है।

पूरे वार्ड में जीवंत, चंचल डिजाइन वाले कलात्मक पोस्टर लगाए गए हैं। ये पोस्टर न केवल वातावरण को रोशन करते हैं बल्कि युवा रोगियों द्वारा अक्सर अनुभव की जाने वाली चिंता और तनाव को कम करने में भी मदद करते हैं। उन्नत सुविधाओं और एक गर्म, आमंत्रित वातावरण का संयोजन यह सुनिश्चित करता है कि बाल चिकित्सा सर्जरी वार्ड अब अपने रोगियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पहले से कहीं बेहतर ढंग से सुसज्जित है, जिससे उनका अस्पताल का अनुभव जितना संभव हो सके उतना सकारात्मक हो जाता है।

अब दुश मनों की खैर नहीं, नौसेना को मिली अरिहंत श्रेणी की दूसरी पनडुब्बी; चौंकाने वाली हैं खूबियां

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली : परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम बैलिस्टिक मिसाइल से लैस अरिहंत श्रेणी की दूसरी पनडुब्बी गुरुवार को नौसेना को मिल गई। परमाणु शक्ति संपन्न 'आइएनएस अरिघात' को विशाखापत्तनम में नौसेना में शामिल किया गया। 'आइएनएस अरिघात' को भारत की नौसैनिक शक्ति और परमाणु प्रतिरोध क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

परमाणु शक्ति संपन्न पनडुब्बी (एसएसबीएन- शिफ, सबमरीन, बैलिस्टिक, न्यूक्लियर) कार्यक्रम भारत की एक अत्यंत गोपनीय परियोजना है। रक्षा मंत्री राजनाथ ¨सह की मौजूदगी में नौसेना में शामिल की गई 'आइएनएस अरिघात' की लंबाई लगभग 112 मीटर है।

अरिहंत' की परियोजना जुलाई 2009 में शुरू

यह के-15 मिसाइलों से लैस है जिनकी मारक क्षमता 750 किलोमीटर है। देश की पहली स्वदेश निर्मित परमाणु पनडुब्बी 'आइएनएस अरिहंत' की परियोजना जुलाई 2009 में शुरू की गई थी और 2016 में उसका जलावतरण किया गया था।

83 मेगावाट के प्रेशराइज्ड लाइट-वाटर रिएक्टर

दोनों पनडुब्बियों में 83 मेगावाट के प्रेशराइज्ड लाइट-वाटर रिएक्टर लगे हैं जिससे वे बिना ऊपर आए लंबे समय तक पानी में रह सकती हैं। जबकि पारंपरिक डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों को नियमित अंतराल पर सतह पर आना पड़ता है। अचानक हुए हमले से बचने व जवाबी हमले करने की क्षमता के कारण एसएसबीएन प्रतिरोधक की महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। दुश्मन के लिए इनको तलाश कर पाना भी कठिन होता है।अमेरिका, रूस और चीन जैसे देशों के पास लंबी दूरी की मिसाइलों वाली बड़ी एसएसबीएन हैं। उदाहरण के लिए चीन के पास छह जिन-क्लास एसएसबीएन हैं जो जेएल-3 मिसाइलों से लैस हैं।

इनका निर्माण तीन चरणों में किया जाएगा

इन मिसाइलों की मारक क्षमता 10 हजार किलोमीटर तक है। अमेरिका के पास 14 ओहियो-श्रेणी की एसएसबीएन हैं।दीर्घकालिक खरीद एवं क्षमता विकास रणनीति के तहत सरकार की योजना परमाणु और पारंपरिक दोनों तरह की पनडुब्बियों के निर्माण की है। इसमें पांच अरिहंत श्रेणी की पनडुब्बियां और छह परमाणु हमला करने में सक्षम पनडुब्बियां शामिल हैं। इनका निर्माण तीन चरणों में किया जाएगा।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति 6,000 टन की दो 'हंटर-किलर' एसएसएन (परमाणु ऊर्जा से चलने वाली हमलावर पनडुब्बियां) के निर्माण के लिए लगभग 40 हजार करोड़ रुपये की परियोजना पर विचार कर रही है। ये टारपीडो, एंटी-शिप व लैंड-अटैक मिसाइलों से लैस होंगी। इनके निर्माण में एक दशक लगने की उम्मीद है।

ढालोप गांव में सीरवी समाज बंधुओ पर हुए जानलेवा हमले के खिलाफ पाली प्रशासन का महाघेराव

परिवहन विशेष न्यूज

देसूरी के ढालोप गांव में हुए सीरवी समाज बंधुओ पर जानलेवा हमले में लगभग 45 दिन बीत जाने के बाद भी आरोपियों की गिरप्तारी नहीं होने के कारण आज सम्पूर्ण सीरवी समाज द्वारा पाली प्रशासन मुख्यालय का महाघेराव किया गया जिसमें सीरवी नवयुवक मंडल परगना समिति बिलाड़ा द्वारा 51 गाड़ियों का काफिला लेकर धरना स्थल पर सैकड़ो की संख्या में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा जिसमें अखिल भारतीय सीरवी महासभा अध्यक्ष ओर पाली सांसद पीपी चौधरी, जिला कलेक्टर लक्ष्मीनारायण मंत्री, पाली पुलिस अधीक्षक चुनाराम जाट ने अखिल भारतीय सीरवी युवा परिषद की प्रमुख मांगो को लेकर देसूरी थाना के 3 स्टाफ को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया और स्पेशल टीम द्वारा 72 घंटे के भीतर आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वस्त किया गया तथा आरोपियों की बेमानी संपति को जब्त किया जाएगा। इस दौरान सीरवी नवयुवक मण्डल परगना समिति बिलाड़ा के नेतृत्व में उक्त घटना क्रम को लेकर रोष व्याप्त था तथा प्रशासन से सभी मांगों से आश्वस्त होकर सफल आयोजन के लिए महाघेराव में पधारे सभी सामाजिक कार्यकर्तावो ओर 36 कोम का साधुवाद के साथ सामाजिक एकता का जो बेमिसाल उदाहरण पेश किया है !

एक शाम गोगाजी के नाम भजन संध्या में बही भक्ति की सरिता

परिवहन विशेष न्यूज

स्थित तेजेश्वर महादेव मंदिर पुझल 12 खेड़ा जाट समाज के भीऊ परिवार चेन्नई द्वारा गोगा नवमी के उपलक्ष पर जागरण का आयोजन किया गया । जिसमे भजन गायक रमेश सीरवी मनली, आशुतोषसिंह कोड़ीगंयूर व स्थानीय भजन गायकों ने गणपति वंदना से जागरण का शुभारंभ कर राजस्थानी लोक भजनों की एक से बढ़कर एक मधुर भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों पर श्रद्धालुओं भावविभोर होकर झूमते रहे। इस मौके पर 12 खेड़ा सचिव गणपत भीऊ, पूर्व कोषाध्यक्ष मांगीलाल भीऊ व समाज के गणमान्य पदाधिकारी पूर्व अध्यक्ष सचिव व वर्तमान अध्यक्ष कोषाध्यक्ष व समस्त कार्यकरणी के पदाधिकारी मौजूद रहे। चेन्नई में बसे भीऊ परिवार के प्रकाश, सोहनलाल, गोपाराम, पारसमल, शंकरलाल, पेमाराम, रिकबाराम, जोराराम, मनीष, नैनाराम, राजेश, कमलेश, मदनलाल, चंपालाल, अशोक, भुण्डाराम, भैराराम, मोहनलाल, मंगलाराम, के. अशोक, नरपत, गजेन्द्र, प्रवीण, मानकराम, राकेश, मोहनलाल, एम. भंवरलाल, अनोप, गोरधन, पवन, कानाराम एवं समस्त भीऊ परिवार व ईष्ट मित्रों के भाईयों ने हर्षोल्लास के साथ गोगा नवमी का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर समाज के सभी युवा भाईयो ने शानदार व्यस्था को सूचारु रुप से सहयोग किया। यह जानकारी गणपत मांगीलाल भीऊ ने दी।

ट्रेनी IFS अधिकारियों ने पीएम मोदी से की भारत की विदेश नीति की प्रशंसा, प्रधानमंत्री से मांगा मार्गदर्शन

परिवहन विशेष

PM Modi आईएफएस के ट्रेनी अधिकारियों ने प्रधानमंत्री मोदी से मिलकर भारत की विदेश नीति की सफलता की सराहना की। वहीं अधिकारियों ने पीएम से सुझाव पर उनका मार्गदर्शन मांगा। प्रधानमंत्री ने भी अधिकारियों के साथ सफलता के मंत्र साझा करते हुए कहा कि आप जहां भी तैनात रहें देश की संस्कृति का हमेशा ध्यान रखें। साथ ही उन्होंने और भी कई अहम बातें बताईं।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को आईएफएस के प्रशिक्षु अधिकारियों से चर्चा की और उन्हें बताया कि कैसे विश्व स्तर पर देश की धारणा बदल रही है। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज का भारत आपसी सम्मान और गरिमा के साथ समान स्तर पर दुनिया के साथ संवाद करता है।

पीएमओ की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, आईएफएस के 2023 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने सुबह सात बजे लोक कल्याण मार्ग पर मोदी से मुलाकात की। इस बैच में 15 विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 36 आईएफएस अधिकारी प्रशिक्षण ले रहे हैं।

ट्रेनी अधिकारियों ने की भारत की विदेश नीति की प्रशंसा

बयान में कहा गया कि प्रशिक्षु अधिकारियों ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विदेश नीति की सफलता की सराहना की और अपनी आगामी जिम्मेदारियों और इससे संबंधित कार्यों पर उनसे सुझाव और मार्गदर्शन मांगा। प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि वह जहां भी तैनात रहें, उन्हें गर्व के साथ देश की संस्कृति का ध्यान रखना चाहिए और जहां भी मौका मिले उसका प्रदर्शन करने का प्रयास करना चाहिए।

मोदी ने अधिकारियों से व्यक्तिगत आचरण सहित जीवन के सभी क्षेत्रों में औपनिवेशिक मानसिकता पर काबू पाने और इसके बजाय खुद को देश के गौरवशाली प्रतिनिधियों के रूप में पेश करने की सलाह दी। प्रधानमंत्री ने इस दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों को बताया कि कैसे भारत ने अन्य देशों की तुलना में कोविड महामारी का मुकाबला किया।

पीएम ने दिया सुझाव

उन्होंने उन्हें बताया कि कैसे भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने उन्हें यह भी सुझाव दिया कि वे विदेशों में अपनी तैनाती के दौरान भारतीय प्रवासियों के साथ अपने जुड़ाव का विस्तार करें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023